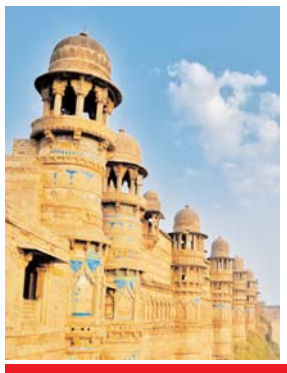

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः179 | ग्वालियर, 9 मार्च शनिवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

10 मार्च से छिंदवाड़ा में कमलनाथ और बेटे नकुलनाथ की चुनावी जनसभा

लोकसभा चुनाव के नजदीक आते ही पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ ने छिंदवाड़ा में अपनी सक्रियता और बढ़ा दी है. पूर्व सीएम कमलनाथ और उनके सांसद पुत्र नकुलनाथ पांच दिवसीय दौरे पर छिंदवाड़ा आ रहे हैं. इस दौरान वे कार्यकर्ता सम्मलेन सहित जनसभाओं में सम्मिलित होंगे. फिलहाल बीजेपी ने छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर अभी तक प्रत्याशी के नाम का ऐलान नहीं किया है. जारी दौरा कार्यक्रम अनुसार, सांसद नकुलनाथ का 10 मार्च को रात्रि 8.30 बजे सड़क मार्ग के जरिये नागपुर से छिंदवाड़ा आएंगे. जबकि पूर्व सीएम कमलनाथ एक दिन बाद 11 मार्च को छिंदवाड़ा आएंगे. कमलनाथ और नकुलनाथ 11 मार्च को सुबह 10 बजे न्यूटन परासिया और सुबह 11 बजे दमुआ कोहका

परासिया में आयोजित जनसभा में सम्मिलित होंगे. इसके बाद कमलनाथ-नकुलनाथ दोपहर 12 बजे शिकारपुर आएंगे. पूर्व सीएम कमलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे. कार्यकर्ता सम्मेलन में होंगे शामिल-सांसद नकुलनाथ दोपहर 2.30 बजे हिरवावासुदेव मोहखेड़ा में आयोजित जनसभा में उपस्थित होने के उपरांत, दोपहर 3.30 बजे परासिया के जाटाछापर में आयोजित पट प्रतियोगिता के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे. इसके बाद वह शिकारपुर पहुंचेंगे. पूर्व सीएम कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ 12 मार्च को सुबह 10 बजे मोरडोंगरी उमरेठ में पहुंचेंगे, जहां वे आयोजित जनसभा में उपस्थित होंगे. सुबह 11 बजे दातला जामई में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में सम्मिलित होंगे. दोपहर 12.15 बजे शिकारपुर आगमन पश्चात नेताद्वय जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे.

इसी तरह 13 मार्च को सुबह 10 बजे पांढुर्ना और सुबह 11 बजे चिचोली पांढुर्ना में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में सम्मिलित होंगे. दोपहर 12.15 बजे शिकारपुर आगमन पश्चात पूर्व सीएम कमलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होंगे, जबकि सांसद नकुलनाथ दोपहर 2 बजे डोंगरा अम्बामाई छिन्दी, दोपहर 3 बजे खिरेटी चारगांव अमरवाड़ा और दोपहर 4 बजे लछुआ सिंगोड़ी में आयोजित जनसभा में उपस्थित होंगे.

महाशिवरात्रि पर शिव भक्ति पर झूमते दिखे शिवराज सिंह चौहान, शिव जी की बारात में हुए शामिल

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान महाशिवरात्रि के मौके पर शिव भक्ति में लीन नजर आए. भोपाल में उन्होंने शिव जी की बारात में शिरकत करते हुए पूजा अर्चना की. राजधानी भोपाल में महाशिवरात्रि के मौके पर भगवान भोलेनाथ की शिव बारात निकाली जा रही है. शिव बारात का शुभारंभ बड़ वाले महादेव मंदिर से शुरू हुआ. शिव बारात पुराने शिवालय भवन से जनकपुर, हनुमान गंज से होते हुए मंगलवार-इतवारा पहुंचेगे. इसके बाद ट्रांसपोर्ट एरिया होते हुए लखेरापुरा, चौक बाजार पहुंची यहां वरमाला की जाएगी. शिवबरात बारात का समापन रात एक बजे होगा. शिव बारात में प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान भी शामिल हुए और उन्होंने भगवान का रथ खींचा.

भगवान का रथ खींचा- शिवरात्रि के मौके पर पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की. पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान शिव बारात में शामिल हुए और भगवान का रथ भी खींचा. शिव बारात में शामिल पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मंजिरे बजाकर भजन भी गाए. उनके साथ भोपाल लोकसभा प्रत्याशी आलोक शर्मा व मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद रहे.

111 सदस्यीय डमरू दल बना आकर्षक- बता दें शिव बारात में भोपाल का 111 सदस्य डमरू दल शामिल हैं. डमरू दल की आकर्षक प्रस्तुति हर किसी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है. चल समारोह में अयोध्या से आए भगवान श्री राम का पुष्पक विमान भी शामिल हैं. बता दें डमरू दल के सदस्यों ने अयोध्या में भी श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में अपनी प्रस्तुति दी थी.

सीएम मोहन ने सिंगरौली को दी करोड़ों की सौगात, पीएम मोदी की तारीफ और विपक्षियों पर साधा निशाना

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार (7 मार्च) को पहली बार ऋषि ऋंगी मुनि की तपोभूमि सिंगरौली पहुंचे. मुख्यमंत्री ने यहां जिलेवासियों को 229.55 करोड रुपये के निर्माण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण कर बड़ी सौगात दी. सीएम ने मंच से सिंगरौलिया हवाई पट्टी को हवाई अड्डे में अपग्रेड करने की घोषणा की. इतना ही नहीं सीएम ने उपभोक्ता फोरम की स्थापना करने की भी बात कही है.

सीएम मोहन यादव का कार्यक्रम जिला मुख्यालय के बिलौजी स्थित एनसीएल बाउंड्री में आयोजित किया गया था, जहां उन्होंने 229 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया. कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने शहरी आजीविका मिशन और अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया. इस दौरान नगरीय मंत्री प्रतिमा बागरी, पंचायत राज्य मंत्री राधा सिंह, विधायक राम निवास साह, राजेन्द्र मेश्राम, विश्वामित्र पाठक के साथ सभी पूर्व विधायक और जिलाध्यक्ष समेत कई नेता मौजूद रहे.

डबल इंजन की सरकार में ऐतिहासिक विकास- मोहन यादव निर्धारित कार्यक्रम से तकरीबन 4 घंटे देरी से पहुंचे सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता विकास कार्य है. देश के पीएम मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में ऐतिहासिक विकास कार्य हो रहा है. बीजेपी सरकार पर देश की जनता का जिस तरह से विश्वास बड़ा है उस पर खरा उतर कर हमारी पार्टी अनगिनत विकास कार्य कर रही है. पिछले हफ्ते इंडियागठबंधन दल के नेताओं द्वारा मोदी जी पर की गई टिप्पणी पर तंज कसते हुए सीएम डॉ यादव ने कहा कि मोदी जी का कोई राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि नहीं है, बावजूद वह गुजरात के सफलतम मुख्यमंत्री और अब देश के सबसे लोकप्रिय सफल प्रधानमंत्री हैं.

सीएम मोहन यादव ने विपक्षियों को लिया आड़े हाथ- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आगे कहा कि जनता के साथ और विश्वास से पूरे भारत की जनता पीएम मोदी का परिवार है. सीएम डॉ यादव यहीं नहीं रुके. उन्होंने विपक्षियों को आ? हाथ लेते हुए कहा कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियों ने जिस तरह से राम का नाम लेने और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के आमंत्रण को ठुकराया है, उसी तरह जनता भी उन्हें ठुकरायेगी.

गरीबों को बेहतर उपचार के लिए एयर एंबुलेंस - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गंभीर रूप से बीमार ऐसे मरीज, जिन्हें दूसरे प्रदेश में रेफर किया जाता है तो उनके बेहतर उपचार की दृष्टि से अब एयर एम्बुलेंस की सुविधा निःशुल्क मुहैया कराई जाएगी. इसके अलावा जिले में एक बड़े स्टेडियम का निर्माण लोकसभा चुनाव के बाद कराए जाने की घोषणा की. सीएम डॉ यादव ने उपस्थित जनता से अपील करते हुए कहा कि मोदी जी का हाथ और मजबूत करने के लिए धारा 370 की संख्या के बरावर बीजेपी और एनडीए को 400 के पार सीट दिलाएं. उन्होंने कहा कि देश का ना केवल विकास होगा बल्कि भारत बहुत जल्द एक विकसित राष्ट्र बनेगा. इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी राजेश मिश्रा को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए जनता से समर्थन की अपील की.

सीएम की जन आभार रैली में उमड़ी भीड़- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भले ही निर्धारित समय से 4 घण्टे देरी से सिंगरौली पहुंचे थे लेकिन सीएम को देखने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचकर इंतजार करते रहे. मुख्यमंत्री डॉ यादव 4 बजे हर्रई एन सीएल बाउंड्री में पहुंचे और जन आभार यात्रा में शामिल हुए. यात्रा के दौरान जिले की जनता ने सीएम पर फूलों की बारिश की और उनके समर्थन में नारेबाजी करते हुए जोरदार तरीके से स्वागत किया. जनता के अथाह प्रेम और समर्थन से सीएम डॉ यादव अभिभूत नजर आए.

STORME SMART SOLUTIONS

अपने स्वयं की गाड़ी चलाओ
पैसे कमाओ

कमायें 5000 रु. प्रति माह

अपनी गाड़ी 300 Km. चलाओ
5000/- प्रतिमाह कमाओ

9908750812, 8602854455, 9244933139

Old Railway Line, Near Sciendia Chauraha, Shatabdi Puram
Gwalior, Madhya Pradesh 474020

Website : www.stormesmartsolutions.com

अखिल भारतीय जाट समाज कर्नाटक महाशिवरात्रि महोत्सव

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू।अखिल भारतीय जाट समाज कर्नाटक बेंगलूरू महाशिवरात्रि का दो दिवसीय महोत्सव मागड़ी रोड माचौहल्ली स्थित समाज भवन मै मनाया जाएगा। संस्था के सचिव रामनिवास ककड़ावा ने बताया कि शुक्रवार रात्रि 08 बजे से देर रात तक भजन संध्या का कार्यक्रम होगा। भजन गायक सूरज बाई सा जोधपुर भजनों की प्रस्तुति देगे।शनिवार सुबह 10 बजे पुजा-अर्चना के पश्चात आम सभा का आयोजन होगा। ट्रस्ट की ओर से लाभार्थियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है। इस सामोरह में जाट समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहेंगे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम

अंबाह पी.जी .कॉलेज की रासेयो इकाइयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चिरपुरा ग्राम की सरपंच श्रीमती पूनम राठौर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ हुआ। तदोपरांत कार्यक्रम अधिकारी डॉ रक्षा कम्ठान एवं डॉ पूर्णिमा अग्रवाल ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत, अभिनन्दन किया ।कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयं सेविका अंशु त्यागी ने कहा कि महिला दिवस मनाने का उद्देश्य महिलाओं को उनकी क्षमता प्रदान करना है, क्योंकि आज भी कहीं ना कहीं पुरुष महिलाओं को अपने से कम समझते हैं ।इस मानसिकता में परिवर्तन लाना होगा यह परिवर्तन महिलाओं को बेहतर अवसर देकर ही लाया जा सकता है इसी क्रम में डॉ.रक्षा कम्ठान ने कहा महिला दिवस सिर्फ प्रतीकात्मक दिवस ही ना रहे बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर प्रयासों में बदलाव आये। यह दिन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता के लिए संघर्ष को याद करने का अवसर होता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.विश्वास मेढेकर जी ने राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा सभी अतिथियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी । कार्यक्रम में रासेयो जिला संगठक डॉ शशि वल्लभ शर्मा डॉ.पंकज भदौरिया , डॉ अभिलाषा श्रीवास्तव तथा नीता सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ.पूर्णिमा अग्रवाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महाविद्यालय परिवार की ओर से आभार ज्ञापित किया।

विकलांग बल के प्रदेश सचिव ने वृक्षारोपण करने के बाद वृद्धजन और दिव्यांग मूक बधिर बच्चों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । महाशिवरात्रि के दिन विकलांग बल के प्रदेश सचिव सौरभ बघेल ने अपना जन्मदिन भिण्ड वृद्धाश्रम आश्रम निराक्षित भवन मे वृद्धजन और मुक बधिर बच्चों के साथ मनाया सबसे पहले सौरभ बघेल ने वृक्षारोपण किया उसके बाद दिव्यांग बच्चों के साथ जन्मदिन मनाकर बच्चों को शुल्पार कराया 7 इस अवसर पर बघेल ने एक अपील की की नगर और देशवाशियों से की आप सब अपने जन्मदिन उत्सव पर कमसे कम एक पौधे का रोपण जरूर करें जिसमे हम सबको पर्यावरण प्रदूषण से मुक्ति मिल सकती है उन्होंने कहा की जन्मदिन अपने घर पर मनाते है उसमें हमें उतनी खुशी नहीं मिलती जितनी हमें अपने दिव्यांग भाई बहिन एवं वृद्धजन के साथ मनाने से मिलती है।इस अवसर पर अशोक यादव,मनीष कुशवाह,गायत्री बघेल, महक खान,एलिश,कुशवाह,दीक्षा, बघेल,नजमा खान,सुप्रिया,तमन्ना कुशवाह,आकांक्षा,नंदनी,अनुराधा, तान्या,खुशबु,मुक्ति,मोहिनी,नेहा,मीना, मोहिनी आदि उपस्थिति रहे।

बिरसिंहपुर के गैवीनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना जिले के बिरसिंहपुर में विराजमान गैबीनाथ के एक झलक पाने हजारों श्रद्धालु दिख रहें आतुर सुबह 5 बजे से शुरू हुआ जलाभिषेक का क्रम मंगल आरती के बाद से शुरू व्यवस्था के लिए गैवीनाथ मंदिर पहुंचे एसडीओपी चित्रकूट रोहित राठौर, सभापुर निरीक्षक रावेन्द्र द्विवेदी, तहसीलदार बिरसिंहपुर परमसुख बंसल व स्वास्थ्य टीम मंदिर में दे रहे सेवा। वही सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा और सतना एसपी आशुतोष गुप्ता भगवान गैबी नाथ धाम पहुंच कर भगवान गैबी नाथ की पूजा अर्चना और बेवस्था का लिया जायजासुरक्षा बेवास्था में एसडीओपी चित्रकूट रोहित राठौर, सभापुर थाना प्रभारी रावेंद्र द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे

पत्थर बड़ा हादसा होने से टला जानमाल का नुकशान नहीं।

।चिरमिरी ओपन कास्ट में हुआ हेवी ब्लास्टिंग जिससे रहवासी इलाके मे गिरी बड़े पत्थर बोल्डर बड़े बोल्डर ब्लाटिंग से शिव मंदिर परिसर व कॉलोनी मे गिरे। पत्थर बड़ा हादसा होने से टला। जानमाल का नुकशान नहीं। हुआ लेकिन बल बल बचे लोग। संग्रहालय व मकानो मे पहुचा क्षति। मनेन्द्रगड़ चिरमिरी भरतपुर जिले के चिरमिरी काले हीरे की नगरी कहे जाने वाले के ओपनकास्ट कोयला खदान मे किया गया हेवी ब्लास्टिंग लेकिन किसी को पता नहीं था इस ब्लास्टिंग से कहीं कोई क्षति भी पहुंच सकती है लेकिन आखिरकार ब्लास्टिंग होने के बाद बड़े-बड़े बॉर्डर पत्थर लोगों के घर छत और मंदिर में गिरा जान मान का मामला तो नहीं हुआ लेकिन लोग बाल बाल बच्चे शिकायत शिकायत मिलने पर चिरमिरी के तहसीलदार शशिकांत मिश्रा और एसडीएम वीएस मरकाम मौके पर पहुंचकर किया निरीक्षण साथी एसईसीएल के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे खदान में ब्लास्टिंग उत्खनन के लिए किया जाता है हेवी प्लास्टिक। चिरमिरी के बरतुंगा ओपन कास्ट में किया जाता है

दतिया आज पूर्व गृहमंत्री ने शिवरात्रि के शुभ अवसर पर उदगवां ढाकरी मंदिर पहुंच कर शिव जी के किए दर्शन

संदीप प्रधान उप संपादक दैनिक पुष्पांजलि टुडे

हम बता दें कि आज 8 मार्च 2024 को शिवरात्रि के अवसर पर भोलेनाथ के किए दर्शन और उसके बाद मंडल के कार्यकर्ताओं से भी की मुलाकात पुलिस बल भी रहा मौजूद

नॉर्दन एमपी स्टेट एच आर मैनेजर्स फॉर्म इंटर इंडस्ट्रीज क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 आज से शुरू

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर नॉर्दन एमपी स्टेट एच आर मैनेजर्स फॉर्म इंटर इंडस्ट्रीज क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 आज से शुरू शनिवार 9 मार्च से 16 मार्च तक आयोजित

करने का किया जा रहा है क्रिकेट टूर्नामेंट में 16 टीम में भाग ले रही है जिसमें सूर्या रोशनी, जेके टायर, मॉन्डेलेज़, एच आर एस आई, इकोन अत्रि,सन फार्मा, एस आर ई, सी जी पावर, जमना ऑटो, टेवा,अदानी पी एलआर, विक्रम वूलन, सुप्रीम, एक्ज़ोनोबेल, गोदरेज, इन सभी टीमों के आपस में एक दूसरे से तीन ग्राउंडों पर मैच खेले जाएंगे जिसमें सूर्या रोशनी, ग्राउंड सीजी पावर, ग्राउंड विक्रांत यूनिवर्सिटी, पर मैच खेले जाएंगे टूर्नामेंट निर्धारित 20 ओबरो का खेला जाएगा सभी टीम तैयारी में जुटी प्रैक्टिस सेशन जारी खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस में बहा पसीना ज्ञात रहे की यह टूर्नामेंट का आयोजन 2 मार्च से शुरू होना था मगर बारिश होने के कारण मैदान गीले हो गए इससे आगे बढ़ाया गया

माथुर वैश्य ग्लोबल क्लब के द्वारा नगर पालिका की ब्रांड एंबेसडर बीके रेखा बहन का किया सम्मान

पोरसा,,,, माथुर वैश्य ग्लोबल क्लब के डिस्ट्रिक 3 के गवर्नर सुरेश चंद्र गुप्ता ग्वालियर के द्वारा बोर्ड मेंबर एवं क्लब की बैठक का आयोजन माथुर वैश्य धर्मशाला पोरसा में रामकुमार गुप्ता मंडल अध्यक्ष के जन्मदिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें नगर पालिका परिषद पोरसा की ब्रांड एंबेसडर बीके रेखा बहन का मंगलवार 5 मार्च को स्वच्छता पर्यावरण एवं नशा मुक्ति के लिए क्षेत्रीय एवं सामाजिक लोगों को जागरूक किए जाने पर स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया गया रेखा

बहिन जी के द्वारा अनेक स्थानों पर पोरसा क्षेत्र में स्वच्छता का संदेश दिए जानें के लिऐ और पोरसा में जगह जगह स्वच्छता की रेली निकाल कर अनेक लोगो को जागरूक किया बीके रेखा बहन ने बताया कोई भी कार्य को हम बिना सहयोग के नही कर सकते स्वच्छता का संदेश देने के लिए पोरसा निवासियों और नगर पालिका के सदस्यों ने भरपूर सहयोग ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद गांधीनगर पोरसा को दिया जिससे रेली निकालने वा अनेक स्थानों पर कार्यक्रम में सहयोग रहा और साथ यह भी कहा की हर असंभव कार्य को हम राजयोग मेडिशन अर्थात् परमात्मा का चिंतन करने से उनके ध्यान करने से हर कार्य संभव है कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य रूप से डिस्ट्रिक 3 गवर्नर सुरेश चंद्र गुप्ता भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता परियोजना अधिकारी सपना यादव मुकेश गुप्ता एलआईसी डिस्ट्रिक 3 पीआरओ बालकिशन गुप्ता सुभाष चंद्र गुप्ता डॉक्टर पीसी गुप्ता, रेडक्रॉस सोसायटी सचिव अरुण गुप्ता शाखा सभा अध्यक्ष जसराम गुप्ता उमाशंकर गुप्ता ब्रजेंद्र गुप्ता गोटी राकेश पेगोरिया महेश पेगोरिया आलोक गुप्ता आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे

केंद्र सरकार की योजनाओ को जन-जन तक पहुंचाएं एवं अबकी बार 400 पर करके मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री बनाएं : रामकुमार गुप्ता

पोरसा,,, भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पोरसा के द्वारा 5 मार्च मंगलवार को माथुर वैश्य धर्मशाला पोरसा में लाभार्थी जनसंपर्क अभियान गांव चलो अभियान शक्ति वंदन अभियान दीवाल लेखन अभियान कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया जिसमें लोकसभा प्रभारी के द्वारा जानकारी उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को दी गई मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए हम सभी को पूर्ण रूप से अपनी शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं का उपयोग करते हुए संगठित होकर केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी लाभार्थियों से संपर्क कर उन्हें अवगत कराते हुए भारतीय जनता पार्टी के समर्थन में कार्य करे प्रधानमंत्री जी के द्वारा चल रही कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर जाकर उन्हें बताया जाए युवा कार्यकर्ता सोशल मीडिया का अधिक से अधिक उपयोग करें फेसबुक इंस्टाग्राम स्टेटस आदि पर केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को शेयर करें बैठक में उपस्थित लाभार्थियों एवं कार्यकर्ताओं को मोदी जी की गारंटी के पत्रक वितरित किए कार्यक्रम के अवसर पर मुरैना लोकसभा विस्तारक कोमल पवैया विधानसभा विस्तारक शिवराज सिंह परमार भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता आनंद सिंह तोमर मन्ना सिंह तोमर नगर प्रभारी रामरूप सिंह तोमर अरविंद सिंह तोमर परिमाल शर्मा योगेश शर्मा पवन शर्मा राजीव शर्मा संदीप उपाध्याय विकास तोमर कल्लू वर्मा निखिल तोमर आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे

आत्मसाक्षात्कार से ही सहज बोध व विवेक की जागृति होती है

आत्मसाक्षात्कार योग है। एकीकरण लघुब्रह्माण्ड का बृहद् ब्रह्माण्ड से योग हमारे अन्दर कुण्डलिनी शक्ति का उठना उस शक्ति को परमात्मा की सर्वव्यापी शक्ति से जोड़ना, यही आत्मसाक्षात्कार है। आपको आत्मसाक्षात्कार प्राप्त हो चुका है, इसका अर्थ यह है कि सर्वशक्तिमान परमात्मा का प्रतिबिम्ब आपके चित्त के अन्दर कार्यरत है। आत्मा की शक्ति से आपका चित्त ज्योतित हो चुका है।परमात्मा का साक्षात् , सत्य का साक्षात् पूरी तरह से आप अपनी चैतन्य लहरियों से कर सकते हैं क्योंकि अब आपके अन्दर एक नई चेतना जिसको वायब्रेटरी चेतना कहते हैं, एक चैतन्यमय चेतना आ गयी हैं, माने जो भी है उसमें लाईट आ गयी है, उसके माध्यम से आप सिद्ध कर सकते हैं कि परमात्मा हैं या नहीं, परमात्मा की शक्ति क्या है, यह किस तरह से चलती है. हमारे अन्दर चक्र हैं या नहीं, चक्रों में देवी-देवता हैं या नहीं। हम लोगों का किस तरह से उत्थान होता है, किस तरह से हम स्वयं को और दूसरों को ठीक कर सकते हैं, किसमें क्या बीमारी है, अनेक छोटी-छोटी बातों का निर्णय आप कर सकते हैं। (प.पू.श्री माताजी, दिल्ली, 3.2.1978)सहजयोग का ज्ञान होने का अर्थ है आपके स्नायु तंत्र पर उसका बोध हो। बोध होने के पश्चात् आपका चरित्र अपने आप बनने लगता है। कुंडलिनी की जागृति व आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के बाद दस संयोजकताओं की भी जागृति हो जाती है तथा धर्म अन्तर्जात हो जाता है। सब प्रकार के धर्मों का लक्ष्य ही सहजयोग है तथा सहजयोग ही समस्त धर्मों का सारतत्व है।अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट पर देख सकते हैं।

कोरिया से 167 राम लला दर्शनार्थी आस्था स्पेशल ट्रेन हुए रवाना

कोरिया - सोइ बिजई बिनई गुन सागर। तासु सुजसु त्रैलोक उजागर।।प्रभु कीं कृपा भयउ सबु काजू। जन्म हमार सुफल भा आजू । 6 मार्च दिन बुधवार को सरगुजा संभाग से रवाना हुई अंबिकापुर - अयोध्या आस्था स्पेशल ट्रेन क्रमांक 08213 से अयोध्या राम लला दर्शन के लिए कोरिया जिले अंतर्गत बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन से 167 लोग रवाना हुए । अयोध्या गंतव्य पूर्व रेलवे स्टेशन में भाजपा जिला पदाधिकारियों और बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े के द्वारा राम लला दर्शनार्थियों को फूल माला पहनाकर कर रवाना किया गया। स्टेशन परिसर में अयोध्या तीरथ यात्रियों और भाजपाईयों ने जय श्री राम के नारे लगाए साथ ही पूरा रेलवे स्टेशन परिसर जय श्री राम और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद सहित भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद जिंदाबाद के जयकारों की गूंजती रही।आपको बता दें की उक्त आस्था स्पेशल ट्रेन 6 मार्च को अंबिकापुर से रवाना हुई जो 2 दिवस बाद 9 मार्च को दर्शनार्थियों को लेकर सरगुजा संभाग वापस लौटेगी । संभाग से रवाना हुई आस्था स्पेशल ट्रेन में सरगुजा संभाग से कुल 1440 यात्रियों के 20 स्लीपर कोच लगाए गए हैं और जिनका प्रति व्यक्ति कुल 1200 सौ रुपए देना निर्धारित किया गया था जिसमे दर्शनार्थियों के लिए ट्रेन में भोजन और रात्रि विश्राम सहित अयोध्या धाम दर्शन हेतु निशुल्क बस की व्यवस्था की गई है । सरगुजा संभाग से कुल 1346 दर्शनार्थी अयोध्या के लिए रवाना हुए । अयोध्या धाम यात्रा प्रभारी के तौर पर कोरिया से भाजपा जिला संवाद प्रमुख विमल कांत गुप्ता और भाजपा नेता मनोज गुप्ता नियुक्त किए गए हैं । रामलला दर्शनार्थियों को आस्था स्पेशल ट्रेन में रवाना करने बैकुंठपुर से विधायक भईया लाल राजवाड़े,जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता,जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े,शैलेश शिवहरे,जिला पंचायत सदस्य वंदना राजवाड़े,भाजपा कार्यालय प्रभारी भानू पाल, गौ सेवक अनुराग दुबे, चरचा नगर पालिका उपाध्यक्ष राजेश सिंह,मंडल अध्यक्ष कुबेर साहू,मंडल अध्यक्ष गोपाल राजवाड़े,मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन पहुंचे थे।

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण पर जनजागरुकता कार्यक्रम आज भोपाल के रवींद्र भवन में दोपहर 4 बजे से शुरू होगा कार्यक्रम

भोपाल, / महिला सुरक्षा शाखा, पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण से संबंधित जनजागरूकता कार्यक्रम 07 मार्च को आयोजित किया जाएगा। रवीन्द्र भवन स्थित अंजनी सभागृह में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम दोपहर 4 बजे से 6.30 बजे तक चलेगा। इस कार्यक्रम में महिला संबंधी समसामयिक मुद्दों का नाट्यमंचन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, एनजीओ, यूएन वूमन के अधिकारी, ग्रामीण आजीविका मिशन एवं शहरी आजीविका मिशन के अधिकारी सम्मिलित होगें।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत लोकपाल मलखान सिंह ने की कार्रवाई।

मनेन्द्रगड़(एमसीबी)।वन विभाग में हुए भ्रष्टाचार को लेकर शिकायतकर्ता के द्वारा लिखित रूप में लोकपाल कार्यालय के समक्ष शिकायत किया था कि मनेन्द्रगढ़ वन मंडल के द्वारा मनरेगा योजना के अंतर्गत स्वीकृत पौधा रोपण एवं हरियाली प्रसार योजना में भारी भ्रष्टाचार कर अनावेदकगणों के द्वारा शासकीय राशि का गबन किया गया है जिसको लेकर लोकपाल में अपनी जांच पड़ताल से अनमित्ताये पाई और संज्ञान में लेते हुए लोकपाल ने वन मंडल मनेन्द्रगड़ के उपवनमंडलाधिकारी के साथ वन परिक्षेत्राधिकारी मनेन्द्रगढ़,वन परिक्षेत्र केल्हारी, वन परिक्षेत्र बहरासी रेंज के अधिकारियो पर पांच-पांच लाख रूपये की अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।और संयुक्त रूप से क्षतिपूर्ति के रूप में राज्य रोजगार गारंटी कोष में 90 दिवस के अंदर जमा करने का निर्देश दिया गया है

अनिवार्य रूप से शिक्षित होना जरूरी-शिवानी जैन एडवोकेट

ऑल ह्यूमन सेव एंड फॉरेंसिक फाउंडेशन डिस्टिक वूमेन चीफ शिवानी जैन एडवोकेट ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वतीजी ने सन् 1875 में 10 अप्रैल गुड़ी पड़वा के दिन मुंबई में आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्यसमाज का सबसे अधिक प्रभाव पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में देखने को मिलता है। आर्य समाज एक हिन्दू सुधार आंदोलन है। इस समाज का उद्देश्य वैदिक धर्म को पुनः स्थापित कर संपूर्ण हिन्दू समाज को एकसूत्र में बांधना है।थिंक मानवाधिकार संगठन की एडवाइजरी बोर्ड मेंबर डॉ कंचन जैन ने कहा कि आर्य समाज के अनुसार ईश्वर एक ही है जिसे ब्रह्म कहा गया है। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने वेदों को ईश्वरीय ज्ञान मानते हुए 'पुनः वेदों की ओर चलो का नारा दिया।'मां सरस्वती शिक्षा समिति के प्रबंधक डॉ एच सी विपिन कुमार जैन, संरक्षक डॉक्टर एच सी आर के जैन, आलोक एडवोकेट, ज्ञानेंद्र चौधरी एडवोकेट, निदेशक डॉक्टर नरेंद्र चौधरी, डॉ अमित गुप्ता, शार्क फाउंडेशन की तहसील प्रभारी डॉ एच सी अंजू लता जैन, आदिड़ ने कहा कि महर्षि दयानन्द जी ने सार्वभौमिक शिक्षा का प्रतिपादन किया। उन्होनें कहा कि माता-पिता तथा राज्य के लिए यह आवश्यक है कि सभी को अनिवार्य रूप से शिक्षित किया जाये ताकि स्वयं वेदों का अध्ययन कर उनके अनुकूल आचरण करें व दूसरो द्वारा दी गई व्याख्या को मानने के लिए बाध्य न हो

मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावास्था पेंशन योजना में पेंशन लाभुकों की उम्र सीमा 60 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष की गई

दुमका। कन्वेंशन सेंटर दुमका में बुधवार को मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन(50-60 वर्ष) के लाभुकों को प्रथम किश्त का भुगतान एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयोजन किया गया।कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना में पेंशन लाभुकों की उम्र सीमा 60 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष की गई है। इस पेंशन योजना के अन्तर्गत राज्य की महिला तथा अनुसूचित जनजाति (स्त्र) एवं अनुसूचित जाति (स्ष्ट) वर्ग के 50-60 वर्ष आयुवर्ग के पुरुषो को मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा है। अनुसूचित जनजाति (स्त्र) एवं अनुसूचित जाति (स्ष्ट) वर्ग के 50-60 वर्ष आयुवर्ग के पुरुषों के लिए आवेदन पत्र के साथ जाति प्रमाण संलग्न करना अनिवार्य है। 50-60 वर्ष आयुवर्ग के महिलाओं, अनुसूचित जनजाति (स्त्र) तथा अनुसूचित्त जाति (स्ष्ट) के योग्य लाभुकों को शत-प्रतिशत योजना से अच्छादित किया जा रहा है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री नलिन सोरेन ने कहा कि पूरे राज्य में आज के दिन यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। राज्य के सभी योग्य लाभुकों को आज पेंशन का प्रथम किश्त प्रदान किया जा रहा है। हमने देखा है कैसे सेविका,सहायिका ग्राम स्तर पर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कार्य करती है। वे अपने क्षेत्र के लोगो को शिक्षा के साथ साथ परिवार का हिस्सा बनकर कार्य करती है। ग्रामीणों के उन्नति से संबंधित कई योजनाएं संचालित है आप आगे बढ़कर योजनाओं का लाभ ले। लड़कियों को पढ़ाने के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना लाई गई,जिससे लड़किया पढ़ाई पूरी कर रही है। सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार गांव के सभी घरों में हो यह भी सहिया, सेविका पूरे लगन से कार्य कर रही है। आज उन्हें सम्मानित करने में गर्व महसूस हो रहा है। इसी क्रम में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने कहा कि झारखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र में 50 वर्ष से ही लोग काम करने में असमर्थ होने लगते है पर पेंशन के लिए उन्हें 60 वर्ष होने का इंतजार करना पड़ता था। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने 50 वर्ष से ही पेंशन देने का निर्णय लिया था। आज हम उसकी पहली किश्त प्रदान कर रहे है। 10,000 लाभुकों को पहला किश्त भेजा गया है। मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन का लाभ प्राप्त करने के लिए दुमका जिला से 40,000 आवेदन प्राप्त हुए है। इसमें से एक भी योग्य व्यक्ति नहीं छूटे यह हमारा संकल्प है। आंगनवाडी सेविका के लिए आज मोबाइल का वितरण किया जा रहा है, कई वर्षो से इनकी यह मांग चल रही थी।

सभी आंगनबाड़ी केंद्र में एएनसी के लिए एक बेड और एक पर्दा लगाया जा रहा है जिससे महिलाओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।आंगनबाड़ी के बच्चों को स्टडी किट भी दिया जा रहा है। इसके साथ ही बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सहिया- सेविका को प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।इसके साथ ही अभी 150 आंगनबाड़ी केंद्रों में 2- 2 टैब दिया गया है। आंगनबाड़ी सेंटर अच्छे से विकसित हो इसके लिए 125 बिल्डिंग बनाने का अनुमति दिया गया है। सभी आंगनबाड़ी केंद्र सरकारी भवन में संचालित कराया जायेगा। जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने कहा कि समाज कल्याण विभाग कई तरह का आयोजन करते रहते है। यह बहुत आवश्यक है कि सरकारी योजनाओं के लाभ के साथ जानकारी आमजनों तक प्रेषित की जाए। जमीनी स्तर पर कार्य कर रही हमारी सेविका, सहिया का आज सम्मान समारोह है, मुझे बहुत हर्ष महसूस हो रहा है।परिवार का एक सदस्य बनकर सहिया, सेविका अपना कर्तव्य को निभाती है। समाज का निर्माण में समाज कल्याण के लोगों का बहुत बड़ा योगदान है। हम जनप्रतिनिधि भी भ्रमण के दौरान देख पाते है कि समाज कल्याण की योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंच रही है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि 60 वर्ष के बाद मिलने वाले पेंशन योजनाओं को अब 50 वर्ष कर दिया है। समाज के लोगों के लिए अपनी राज्य सरकार ने पंचायत-पंचायत जाकर कैंप लगाकर भी पेंशन दिलाया है। कई बार देखा गया था कि 60 वर्ष से पहले ही लोग वृद्ध हो जाते है, इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने 50 वर्ष से पेंशन देने का काम किया है। बच्चियों को पढ़ाने के लिए भी सरकार ने योजना का निर्माण किया है जिसे हम सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के नाम से जानते है। इसके माध्यम से बच्चियां अपना कैरियर बनाने में विशेष ध्यान दे रही है।इस दौरान उप विकास आयुक्त, निदेशक डीआरडीए, अपर समाहर्ता, जिला परिषद उपाध्यक्ष, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

जयगुरुदेव सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया काल और माया के अनेक रूपों के जगत जाल से जीव के निकलने का उपाय

उज्जैन (म.प्र.) सर्वज्ञ, सर्व समर्थ, सर्वत्र विराजमान, समय के समर्थ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि माया का बड़ा रूप है। माया किसको कहा गयाड़ रूपया पैसा को माया कहा गया। रूपया पैसा ही सोना चांदी हीरा मोती जवाहरात, जमीन जायदाद खरीदवाता है तो वो दूसरे रूप में माया हो जाती है, वो जड़ माया हो जाती है। कल (सतसंग में आपको) सुनाया था कि जमीन जायदाद, हाठ हवेली हो गई तो उसी में आदमी फंसा रहता है। तो यह माया का पसारा है। ÷गो गोचर जहां मन लग जाई, सो सब माया जानो भाई÷। जहां तक ये मकान हाठ बाजार, दुनिया, दुनिया की चीजें दिखाई पड़ती है वो सब माया ही है, माया का ही पसारा है। और दूसरी माया औरतों को कहा गया। माया का कई रूप है, ऐसे काल का भी रूप है। लड़की जब पैदा हुई तो वो भी माया ही है। देखो कितना मोह लड़कियों से हो जाता है। बच्चियां (औरतें), लड़कियों से उतना मोह नहीं करती है जितना पुरुष मोह करता है। दो बच्चे- लड़का और लड़की हो और कहा जाए उठाओ इनको, दोनों रो रहे हैं तो पत्नी लड़के को और पति लड़की को उठाएगा। उनसे ज्यादा प्रेम होता है। लड़कियां सेवा भी करती है। लड़का बैठा रहेगा, नहीं उठेगा और लड़की दौड़ करके रोटी बना करके, पानी लेकर के आ जाएगी, अगर गर्मी से आये हो तो पंखा लेकर आ जाएगी, झलने लगेगी। तो ये सब क्या हैड़ ये सब सेवा करके वश में करने प्रेम बढ़ाने वाले गट्स (गुण) होते हैं उसमें। माया इस धरती पर पैर रखते ही सबसे पहले मां के रूप में मिली फिर बहन, पत्नी, बेटी के रूप में मिली। माया साथ नही छोड़ती है। जब तक इस दुनिया में आदमी रहता है तब तक माया से छुटकारा नही पा सकता है। माया पैदा होते ही मां के रूप में मिलती है और कब्र पर पहुंचा करके पत्नी फिर छुटकारा पाती है। कहने का मतलब कि ये सब माया का पसारा है। माया का ये सब रूप है। जब समझदारी आ जाती है, जब रहना मालूम हो जाता है तो जैसे दुष्टों के बीच में ही सज्जन रहें हैं।

जयगुरुदेव नाम की शक्ति का प्रमाण- इतिहास बता रहा है। राक्षसों के बीच में ही तो विभीषण थे। वो राम के भक्त थे, राम की पूजा करते थे। उनका प्रमाण मिलता है। जब हनुमान जी लंका जलाने गए थे, कहा यहां भी राम के भक्त हैं, तो लंका दहन में लंका पूरी जल गई लेकिन विभीषण का घर बच गया। क्योंकि उस समय राम नाम में शक्ति थी, (घर पर) राम नाम लिखा हुआ था। इसलिए इस समय जयगुरुदेव नाम में शक्ति है। ऐसे लोगों ने अपना अनुभव बताया कि भूसा (चारा) भरा हुआ था। पूरे गांव में आग लग गई। उधर के घर जल गए। लपटें इस तरह उठें कि मालूम पड़े कि अभी छप्पर आग पकड़ लेगा और हमारा फूस का घर जलने लगेगा। लेकिन घर

पर गेरू से जयगुरुदेव नाम लिखा हुआ था। हमारे एक मामाजी थे। उन्होंने हमें खुद बताया, इस बात को। वो सतसंगी नहीं थे। उस समय हम नए-नए नामदान लिए थे। जब हमारे घर आए और बोले कि भैया मान गए जयगुरूदेव नाम को। हमारे गांव में ऐसी-ऐसी घटना हुई। अब आप इस बात को समझो कि शक्ति थी। विभीषण उन्ही के बीच में रहते थे। कहने का मतलब ये है कि जब जानकारी हो जाती है तो मनुष्य रहता इसी के बीच में है (लेकिन बचा रहता है)।

साधना में काल और माया के जालों का इशारा- अब आप कहो कि भाई हमको तो माया के बीच में ही रहना है, इसी जगत जाल में रहना है, हमको कैसे छुटकारा मिलेगाड़ मिलेगा। ये माया का पसारा है। जगत जाल में जीव फंसा हुआ है। ये पिंडी शरीर है। इससे जब आत्मा निकलेगी, जो जड़ और चेतन की गांठ अंदर में लगी बंधी हुई है, जब वो खुलेगी, आत्मा ऊपर प्रकाश में जाएगी, अंड लोक में पहुंचेगी तब भी माया का असर रहेगा लेकिन उस समय ये माया कमजोर हो जाएगी। सबसे ज्यादा पिंडी माया ही सताती, परेशान करती है। अंडी माया कमजोर होती है, इतना परेशान नहीं कर पाती है। मन की डोर माया के हाथ में है, ये अंडी मन हो जाता है तो ये भी कमजोर पड़ जाता है। लेकिन जब इनके नाके से आगे बढ़ते है तब हँस-हँस माया जाल बिछाया। निकसन की कोई राह न पाया।। निकसन का, निकलने की कोई राह नहीं मिल रही है। तब राह मिल जाती है लेकिन कदम-कदम पर रोड़े हैं। जब जीव काल के नजदीक पहुंचेगा तब वो काल जाल फैला रहा है और जो गया उसको भ्रम-भूल में (डालकर), किसी भी तरह से लौटा रहा है, उसी में फंसा रहा है कि जीव आगे न जाने पाए। मालिक का भी रूप धारण कर लेगा, अपने ही लोक में सतलोक बना देगा जहां इतनी साधन सुविधा है कि जीव उसको छोड़ कर के, ऐश-आराम को छोड़ कर के आगे नहीं जा सकता है। जीवों के लिए ये सब जाल बिछा हुआ है। यही कारण है कि जब से जीव आया तब से निकल नहीं पाया। और भी अगर आगे बढ़ गया तो महाकाल का जाल। ÷नीलम कुंड अमिद नर पाला, महाकाल ने जाल पसारा÷ तो समझो उधर के जाल में तो बंधन ही बंधन, जकड़ ही जकड़ है आगे। टूटेगा कैसेड़ टूटेगा उस शक्ति से, उस ताकत से जो समय के महापुरुष देते हैं। वक्त के गुरु, वक्त के महापुरुष जो ताकत देते हैं, उससे ये काम होता है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिले को दी 2 नये एम्बुलेंस की सौगात

दोनों 108 वाहनों में से एक मनेंद्रगढ़ एवं दूसरे को जनकपुर के लिए चिन्हांकित

मनेन्द्रगढ़ - स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा मनेद्रगढ़-चिरिमिरी-भरतपुर जिले में दो नए 108 एम्बुलेंस वाहन की सौगात दिया गया है। 2 नये वाहन आने के बाद अब जिले में कुल 08 वाहन हो गए हैं।स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को जिले के स्थानीय लोगों के द्वारा अवगत कराया गया था, कि हॉस्पिटल जाने में वाहनों की कमी है, फोन करने के उपरांत बहुत समय बाद 108 वाहन उपलब्ध हो पता है। उसके पश्चात श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा जिले में दो नए 108 वाहन की सौगात दिया गया। दोनों 108 वाहनों में से एक मनेंद्रगढ़ एवं दूसरे को

जनकपुर के लिए चिन्हांकित किया गया। मनेद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में दोनों 108 एम्बुलेंस वाहन को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरजू यादव नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ उपस्थित थे, साथ ही वीरेंद्र सिंह राणा जिला महामंत्री एमसी एवं द्वारिका जायसवाल चिरमिरी पूर्व मंडल अध्यक्ष की गरिमामय उपस्थिथि रही। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. विकास पोद्दार नोडल अधिकारी, सुलेमान खान डीपीएम नोडल रेड क्रॉस और सोमेश मंडल उपस्थित थे।

हितग्राहियों को हुआ नवीनीकरण राशनकार्ड का वितरण जिले में करीब 76 हजार राशनकार्डो का हुआ है नवीनीकरण

कोरिया जिला पंचायत सदस्य श्रीमती वंदना राजवाड़े, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह की मुख्य आतिथ्य में कलेक्टरेट सभाकक्ष में आज जिले के करीब 28 राशनकार्डधारियों को नवीनीकृत राशनकार्ड के वितरण का शुभारंभ किया गया। नवीनीकृत राशनकार्ड के वितरण पूर्व छत्तीसगड़ महतारी की तैल चित्र पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती वन्दन राजवाड़े व कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने फूलमाला अर्पित की।75 हजार 981 राशनकार्डो का हुआ नवीनीकरणजिले में 82 हजार 93 राशन प्रचलित है। इनमें नवीनीकृत राशन कार्डधारियों की संख्या 75 हजार 981, अंत्योदय राशनकार्डधारी 19 हजार 909, प्राथमिकता राशनकार्डधारी 55 हजार 852, निराश्रित राशनकार्डधारी 181 तथा निःशक्तजन राशनकार्डधारी की संख्या 39 है। इस तरह 75 हजार 981 राशनकार्डो का नवीनीकरण हो चुका है, जिसका वितरण कार्य का शुभारंभ आज से शुरू हुई है।

खाद्य सामग्रियों का भरपूर लाभ लें- जिला पंचायत सदस्य श्रीमती वंदना राजवाड़े ने सभी नवीनीकृत राशनकार्डधारियों से कहा कि राज्य सरकार आप सभी के हित के लिए राशनकार्ड नवीनीकरण कराने का अभियान चलाया है, ऐसे में आप सब राशन दुकान से मिलने वाले खाद्य सामग्रियों का भरपूर लाभ लें।

राशनकार्ड सम्हाल कर रखें, 92 प्रतिशत नवीनीकरण- कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने सभी राशनकार्डधारियों से अपील करते हुए कहा कि राशनकार्ड को सम्हाल कर रखें और पात्रता अनुसार खाद्य सामग्री प्राप्त करें। श्री लंगेह ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि हमने समय पर 92 प्रतिशत से अधिक राशनकार्डो का नवीनीकरण कर लिए हैं। शेष राशन कार्डो का नवीनीकरण भी समय पर पूरा कर लिया जाएगा।

त्रुटियां होने पर सुधार होगा- अपर कलेक्टर श्री अरुण कुमार मरकाम हितग्राहियों को जानकारी दी की किसी भी राशन कार्ड में नाम उम्र या किसी अन्य तरह की त्रुटियां हो तो खाद विभाग में संपर्क कर सुधार कार्य किया जाएगाजिला खाद निरीक्षक सुश्री अनीता ने हितग्राहियों के नाम को साझा करते हुए जानकारी दी कि आज नवीनीकृत राशन कार्ड के शुभारंभ कार्यक्रम में 21 प्राथमिकता तथा 7 अंत्योदय राशन कार्ड धारी ग्राम आज आई आमगाव गुदगी वह बैकुंठपुर से उपस्थित हुए थे कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि खाद जिला प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में राशन कार्ड धारी महिलाएं उपस्थित थी

महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढ़े कदम

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम महिलाओं में निवेश करें प्रगति में तेजी लाएं है। यह विषय लैंगिक समानता हासिल करने और जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भलाई में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

हमारे देश में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी।

हमारे देश में महिलाओं को तो अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं।

भारत में 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किए गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों में इसका खुलासा हुआ है। इससे पहले 2021 में 4,28,278 और 2020 में

3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में महिला अपराध के सिलसिले में हर घंटे लगभग 51 मामले दर्ज किए गए। आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई। ऐसे मामलों में आरोप पत्र दायर करने की दर 75.8 फीसदी रही। एनसीआरबी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता किए जाने के थे। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से महिलाओं पर हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले रहे। एनसीआरबी के मुताबिक पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56,083 और और 2020 में 49,385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40,738 और 34,535), महाराष्ट्र (39,526 और 31,954), पश्चिम बंगाल (35,884 और 36,439) और मध्य प्रदेश (30,673 और 25,640) रहे थे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए।

2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

भारत में वर्षों से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रासमेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

संपादकीय

'परिवारवाद' की खिलाफत

परिवारवाद लोकतंत्र के लिए खतरा है और नई प्रतिभाओं को यह उबरने नहीं देता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को एक सार्वजनिक सभा में यह कहा। उन्होंने अरोप लगाया कि जम्मू-कशमीर से तमिलनाडु तक शासक परिवार मजबूत हो गए, जबकि राज्य कमजोर हो गये। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं परिवारवाद के खिलाफ हूं, लेकिन मैं व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाता। मोदी ने कहा कि वे मुझे गाली दे रहे हैं क्योंकि मैं उनके हजारों करोड़ रुपयों के घोटालों का परदाफाश करता रहा हूं। मैंने ऐसा मुख्यमंत्री भी देखा है, जिसके परिवार के पचास सदस्य उच्च पदों पर आसीन हैं। वे कहते हैं परिवार पहले, मैं कहता हूं कि देश पहले। तो यह वैचारिक लड़ाई है। उनके लिए परिवार सब कुछ है, और मेरे लिए देश का हर परिवार सब कुछ है। मैंने देश के हितों के लिए खुद का बलिदान किया है। मोदी कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर जिस वक्त यह आरोप लगा रहे हैं तो उसी वक्त भाजपा द्वारा आगामी लोक सभा चुनाव के लिए जारी प्रत्याशियों की सूची में ऐसे नाम भी शामिल हैं, जिन्हें परिवारवाद का स्पष्ट लाभ मिला है। हालांकि कहा जा सकता है कि ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है। मगर यह सच है कि मोदी अपनी पार्टी को इस परिवारवाद से अछूता रखने में सफल नहीं रहे हैं। किन्हीं दबावों, राजनैतिक जोड़-तोड़ या उच्च पदाधिकारियों के अनुरोध के चलते राजनीतिक हस्तियों के पुत्र/पुत्रियों को टिकट दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सभा में यह आरोप भी दोहराया कि परिवारवादियों ने काला धन छिपाने के लिए विदेशी बैंकों में खाते खोले। मोदी ने करोड़ों जन-धन खाते खोले, यही अंतर है जो पिछले दो चुनाव में बार-बार विभिन्न मंचों से कहा भी जा चुका है। जबकि हकीकत में सत्ता पर दस वर्ष तक काबिज रहते हुए विदेशी काला धन वापस लाने के प्रति गंभीरतापूर्वक कुछ खास होता नहीं नजर आया। मोदी ने जनता के समक्ष स्वीकारा कि उन्होंने अपना एक घर तक नहीं बनाया। ऐसी बातें लोगों को अच्छी भी लगती हैं, और वे प्रधानमंत्री मोदी की इस सादगी के मुरीद भी होते हैं। मगर एक वर्ग ऐसा भी है, जिसे ये बातें प्रभावित नहीं करतीं। वे जानते हैं कि ये सब चुनावी भाषणबाजी है। मगर जनता को प्रभावित करने और चुनाव के मद्देनजर की जाने वाली बातें प्रायः बेअसर नहीं रहतीं। जिनके प्रति आमलोग किसी तरह का तर्क नहीं प्रयोग करते। वे परिवारवाद या भ्रष्टाचार का जबाव चुनाव के दरम्यान खुद ही देंगे, यह तो तय ही है।

भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं शिव

योगेश कुमार गोयल

देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। 'महाशिवरात्रि' पर्व फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी को मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरूआत 8 मार्च को संध्याकाल 9 बजकर 57 मिनट पर होगी, जिसका समापन 9 मार्च को शाम 6 बजकर 17 मिनट पर होगा। भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में की जाती है, इसलिए महाशिवरात्रि 8 मार्च को मनाई जा रही है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 8 मार्च को महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव जी की पूजा का समय शाम 6 बजकर 25 मिनट से 9 बजकर 28 मिनट तक है। इसके अलावा महाशिवरात्रि के चार प्रहर मुहूर्त हैं। रात्रि प्रथम प्रहर पूजा का समय शाम 6 बजकर 25 मिनट से रात 9 बजकर 28 मिनट तक है, रात्रि द्वितीय प्रहर पूजा का समय रात 9 बजकर 28 मिनट से 9 मार्च की सुबह 12 बजकर 31 मिनट तक, रात्रि तृतीय प्रहर पूजा का समय 12 बजकर 31 मिनट से प्रातः 3 बजकर 34 मिनट तक और रात्रि चतुर्थ प्रहर पूजा का समय 9 मार्च प्रातः 03.34 से 06.37 बजे तक है जबकि व्रत पारण समय 9 मार्च की सुबह 6 बजकर 37 मिनट से दोपहर 3 बजकर 28 मिनट तक है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, 'जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।'

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी।

परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता।

तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

दल-बदल : जिम्मेदार बनें माननीय

डॉ. सत्यवान सौरभ

दल-बदल 'आया राम गया राम' अभिव्यक्ति के साथ शुरू हुआ जिसने हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में तीन बार पार्टियां बदलने के बाद भारतीय राजनीति में लोकप्रियता हासिल की। यह घटना 1967 की थी। संसद ने इस मामले का उपयोग भारतीय संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ने को उचित ठहराने के लिए किया। यह कानून सदन के किसी अन्य सदस्य की याचिका के जवाब में विधायिका के पीठासीन अधिकारी द्वारा सांसदों को दल-बदल के लिए अयोग्य घोषित करने की प्रक्रिया स्थापित करता है। कानून के अनुसार, यदि कोई राजनेता स्वेच्छा से अपनी पार्टी छोड़ देता है, या कोई सदस्य सदन में वोट पर पार्टी नेतृत्व के निदेशों की अवज्ञा करता है, तो वह दल-बदल करता है।

यह कानून किसी पार्टी को किसी अन्य पार्टी के साथ विलय की अनुमति देता है बशत्रे उसके दो-तिहाई सदस्य इसे स्वीकार करते हैं। ऐसे में किसी भी सदस्य पर दल- बदल का आरोप नहीं लगता। अन्य स्थितियों में, यदि कोई व्यक्ति अध्यक्ष या अध्यक्ष के रूप में चुना गया था और उसे अपनी पार्टी से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। परिणामस्वरूप, वे पद छोड़ने के बाद फिर से पार्टी में शामिल हो सकते हैं। भारत में परित्याग की अनेक घटनाएं हुई हैं। कई विधायकों और सांसदों ने पार्टियां बदली हैं। 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 का लक्ष्य मंत्रिपरिषद के आकार को कम करना, दल-बदलुओं को सार्वजनिक कार्यालय में प्रवेश करने से रोकना और भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची में सुधार करना था। पहले विलय को एक राजनीतिक दल के निर्वाचित सदस्यों के एक तिहाई के दल-बदल के रूप में परिभाषित किया गया था। संशोधन के बाद इसे कम से कम दो-तिहाई कर दिया गया। यद्यपि विधायकों की ओर से बार-बार और अपवित्र निष्ठा परिवर्तन के कारण होने वाली राजनीतिक अस्थिरता भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची के कारण काफी कम हो गई है, फिर भी संविधान की 10वीं अनुसूची के अधिक तर्कसंगत संस्करण की आवश्यकता है।

मणिपुर में कुछ मौजूदा विधायक हाल में विपक्ष में चले गए जिससे राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता पैदा हो गई। मणिपुर में दल-बदल की यह राजनीति असामान्य नहीं है; हाल में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी दल-बदल हुआ है। विधानमंडल के सदस्यों द्वारा राजनीतिक दल-बदल ने लंबे समय से भारतीय राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। दल-बदल विरोधी कानून ने निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज को दबा दिया है। विधायकों द्वारा पार्टी अनुशासन का पालन न करना राजनीतिक समस्या है, और इसे अधिक आंतरिक पार्टी लोकतंत्र और पार्टी के सदस्यों के विकास के तरीकों के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। भारत के संविधान का एक हिस्सा इसकी मूल भावना के खिलाफ है। यह दसवीं अनुसूची है, जिसे 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।

राजनीतिक दल-बदल को रोकने के लिए 1985 में संसद द्वारा पारित किया गया। इसे आम तौर पर दल-बदल विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है। इसका उद्देश्य विधायकों को अपनी निष्ठा बदलने से रोकना था। राजनीतिक स्थिरता लाना था। तब से, इसने हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज को दबा दिया है, संवैधानिक कार्यालयों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है, और लोकतंत्र का मजाक उड़ाया है। दल-बदल विरोधी कानून 37 वर्षों तक स्थिर सरकारें सुनिश्चित करने में विफल रहा है। लेकिन विफलताओं के बावजूद दल-बदल विरोधी कानून को छोड़ने की बजाय उसे मजबूत करने की मांग उठ रही है। मूल प्रश्न यह है कि क्या किसी पार्टी के विधायकों को अपनी वफादारी दूसरे के प्रति स्थानांतरित करने से रोकना कानूनी रूप से संभव है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पैसे के अलावा, ह्यपद के लालच ने विधायकों के दल बदलने के फैसले में प्रमुख भूमिका निभाई।ह्न इसमें बताया गया है कि 1967 के चुनाव के बाद, सात राज्यों में दल बदलने वाले 210 विधायकों में से 116 उन सरकारों में मंत्री बन गए जिन्हें उन्होंने अपने दल-बदल से बनाने में मदद की थी। सवाल उठता है कि क्या हमारे प्रतिनिधि केवल अपने राजनीतिक संगठन के प्रति ही जिम्मेदार हैं? या क्या उन लोगों की राय व्यक्त करने की भी उनकी कोई जिम्मेदारी है, जिन्होंने उन्हें चुना है? विधायकों द्वारा पार्टी अनुशासन का पालन न करने का प्रश्न एक राजनीतिक मुद्दा है, जो उनके और उनके राजनीतिक दल के बीच का मुद्दा है। यदि राजनीतिक दल चाहते हैं कि उनके सदस्य उनकी पार्टी लाइन पर चलें, तो उनके नेतृत्व को आंतरिक पार्टी लोकतंत्र, संवाद और अपने सदस्यों के विकास के रास्ते को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। असली सवाल यह होगा कि संविधान को उन राजनीतिक दलों की मदद के लिए क्यों आना चाहिए जो अपने सदस्यों को भी एक साथ नहीं रख सकते।

मडगांव एक्सप्रेस में पहली बार कॉमेडी किरदार में नजर आएंगे प्रतीक गांधी

अभिनेता से निर्देशक बने कुणाल खेमू की फिल्म मडगांव एक्सप्रेस का ट्रेलर आज मंगलवार को मुंबई में लॉन्च हुआ। इस फिल्म की कहानी भी खुद कुणाल खेमू ने ही लिखी है। कुणाल खेमू ने बताया कि इस फिल्म की कहानी वह पहले अपने लिख रहे थे, लेकिन जब उन्होंने इस फिल्म को निर्देशित करने की सोची तो उन्होंने इस फिल्म में एक्टिंग करने के बारे में नहीं सोची। क्योंकि दोनों जिम्मेदारी एक साथ निभाना उनके लिए बहुत मुश्किल था। अभिनेता प्रतीक गांधी फिल्म में पहली बार कॉमेडी किरदार में नजर आएंगे। प्रतीक गांधी ने कहा, कॉमेडी करना बहुत कठिन होता है, लेकिन मैं कॉमेडी बहुत पसंद करता हूं। इस फिल्म के लिए जब मुझसे पहली बार संपर्क किया गया तो मुझे नहीं पता था कि कुणाल खेमू ने फिल्म लिखी है और निर्देशित करने जा रहे हैं। पहली मुलाकात में जब कुणाल खेमू ने मुझे फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई तो आधी कहानी सुनने के बाद ही फिल्म में तुरंत काम करने की हामी भर दी। हर आदमी अपने जीवन में कभी ना कभी मस्ती करता है, लेकिन मेरा मानना है कि मस्ती करो, पड़के मत जाओ। मेरी आदत स्कूल के जमाने से है। मेरे पिता जी टीचर थे, इस वजह से स्कूल में मेरी बाकी बच्चों से अलग छवि रही है। मस्ती मैं भी करता है, लेकिन इस बात का हमेशा ध्यान रहता था कि मस्ती करते वक्त कभी पकड़ा ना जाऊं।

अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ का हिस्सा नहीं होगे दुलकर सलमान

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। मणिरत्नम के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कमल हासन के साथ-साथ दुलकर सलमान भी अहम भूमिका में नजर आने वाले थे, लेकिन अब चर्चा है कि दुलकर ठग लाइफ का हिस्सा नहीं होगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के कुछ हाई-ऑक्टेन एक्शन दृश्य की शूटिंग सर्बिया में चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ठग लाइफ में दुलकर सलमान महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाले थे, लेकिन अपने कई अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के चलते दुलकर ने ठग लाइफ को छोड़ दिया है। रिपोर्ट्स की माने तो अभिनेता अगले कुछ समय तक काफी व्यस्त हैं और उनके पास तारीखों की कमी है, जिसके चलते उन्हें इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को छोड़ना पड़ा। हालांकि, मेकर्स या फिर दुलकर की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। गौरतलब है कि ठग लाइफ में जयम रवि भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले है। फिल्म में फिल्म में वे कैमियो करेंगे। हालांकि, जयम रवि के फिल्म में शामिल होने को लेकर भी मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बैंक की जॉब छोड़ ग्लैमर फील्ड में आना चैलेंजिंग रहा

शेमारू उमंग पर हाल ही में टीवी शो चाहेंगे तुम्हें इतना टेलीकास्ट हुआ है। इसमें भोपाल की रहने वाली स्वाति शर्मा मुख्य भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में स्वाति से शो और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें हुई।

अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए?

मेरे किरदार का नाम आशी है। इस किरदार में भावनाओं की कई परतें मौजूद हैं। शुरुआती एपिसोडस में इमोशनल सीन को शूट करते वक्त मैं ग्लिसरीन पर निर्भर रहा करती थी, लेकिन अभय भार्गव सर ने मुझे अपने किरदार को गहराई से महसूस करने की सलाह दी। नतीजतन, मैंने न केवल पर्दे पर बल्कि असल जिंदगी में भी आशी के साथ जुड़ना शुरू कर दिया। जिस तरह आशी का अपने बाबा के साथ मजबूत रिश्ता है, उसी तरह मैं भी अपने पिता के साथ एक खास रिश्ता साझा करती हूं।

आपके किरदार आशी और खुद आप में क्या समानताएं हैं?

चाहेंगे तुम्हें इतना में मेरा किरदार मेरे स्वभाव से अलग है। यह एक बहू और ससुर की कहानी है। आशी मेरी लाइफ से बिल्कुल अलग है। शो में ससुर अपनी बहू आशी को बेटी की तरह मानते हैं। शादी के बाद पढ़ाई करा रहे हैं। यह रिश्तों की पड़ताल करने वाला शो है, जिसमें आशी अपने से ऊपर अपने परिवार को रखती है। वह अपनी जिम्मेदारियों और अपने प्यार के बीच संतुलन को बनाए रखती है। आशी के किरदार में ढलने में मुझे काफी वक्त लगा। सीरियल में अभिनेता अभय भार्गव ससुर की भूमिका निभा रहे हैं और अभिनेत्री ख्याति कैसवानी उनकी सास की भूमिका में हैं। यह दर्शकों के बीच खूब पसंद भी किया जा रहा है।

अपने को-एक्टर्स के साथ आपका रिश्ता कैसा है?

इस किरदार की खूबियों की बात करूं तो अभय भार्गव ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन दोनों जगह मेरे लिए पिता समान हैं, जिससे उनके साथ अभिनय करना मेरे लिए आसान हो जाता है। वह हमेशा मुझे अपना मार्गदर्शन देते हैं और अमूल्य सलाह भी देते हैं। वरिष्ठ होने के बावजूद, वह सुनिश्चित करते हैं कि उनके आसपास मौजूद हर कोई सहज महसूस करे। स्क्रीन पर आशी और उसके बाबा के बीच एक खूबसूरत रिश्ता है, जो ऑफ-स्क्रीन भी हमारे इस बंधन को दर्शाता है।

एक्टिंग की ट्रेनिंग को लेकर क्या प्लान है?

इस शो के बाद अगर मुझे टाइम मिलता है तो जरूर ट्रेनिंग करूंगी। हालांकि मुझे लगता है कि इतना काम करते-करते वैसे ही ट्रेनिंग हो जाती है। हमें कई बार एक्टिंग वर्कशॉप में भी शामिल होना पड़ता है।

करियर में क्या कुछ चैलेंजिंग रहा है?

सबसे पहला चैलेंज था लोगों को मनाना कि जॉब छोड़कर मुझे इस फील्ड में आने दो। दूसरा चैलेंज ये था कि जॉब के रहते-रहते ऑडिशन देना। मोस्टली हमें ऑडिशन के लिए कोई स्क्रिप्ट मिलती है तो कहा जाता है कि आज के ही आज वीडियो शूट करके दीजिए। वह मेरे लिए थोड़ा प्रॉब्लमैटिक हो जाता था कि जॉब के रहते-रहते ऑडिशन भी मैनेज करना। मेरा मानना है कि आप अपने ड्रीम को पाने के लिए जितनी मेहनत करते हैं और जब वह ड्रीम पूरा हो जाता है तो सारी मेहनत सफल हो जाती है। शेमारू उमंग पर मेरे भोपाल के लोग मुझे देख पाएंगे, मेरे लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है।

मार्शल आर्ट में इन सितारों को हासिल है महारत, कोई ब्लैक बेल्ट तो किसी ने कुंग फू में ली है ट्रेनिंग

इंडस्ट्री में कई सितारे ऐसे हैं, जिन्हें एक्टिंग के साथ-साथ मार्शल आर्ट में भी महारत हासिल है। बड़े पर्दे पर एक्शन सीन करते हुए ये सितारे अपनी ट्रेनिंग का बखूबी इस्तेमाल करते हैं। इस लिस्ट में बॉलीवुड के यंग स्टार्स के साथ-साथ दिग्गज अभिनेता और अभिनेत्रियां भी शामिल हैं। चलिए आपको इन सितारों से रूबरू कराते हैं।

अक्षय कुमार

इस लिस्ट में पहला नाम अक्षय कुमार का है, खतरों का खिलाड़ी अक्षय कुमार ने हांगकांग में मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली हैं। वे शोटोटन कराटे और मय थाई में ब्लैक बेल्ट हैं। अपनी फिटनेस को लेकर खूब सजग रहने वाले अक्षय ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया। आज अक्षय अपने फिल्म के एक्शन स्टंट खुद से ही करते हैं।

माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने भी मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली है। माधुरी ने शाओलिन कुंग फू में ट्रेनिंग ली है। अपने अभिनय और डांसिंग के साथ-साथ माधुरी किसी को भी सबक सिखाने का हुनर रखती हैं।

शिल्पा शेट्टी

इस लिस्ट में अगला नाम इंडियन पुलिस फोर्स में अपने किरदार से चर्चा बटोर रही अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का है। एक्टिंग और डांसिंग के अलावा शिल्पा को मार्शल आर्ट में भी महारत हासिल है। वे कराटे में ब्लैक बेल्ट हैं। आज भी शिल्पा योगा करते हुए अपने शरीर के लचीलेपन से हर किसी को हैरान कर देती हैं।

विद्युत जामवाल

फिल्म क्रैक को लेकर चर्चा बटोर रहे विद्युत जामवाल एक प्रशिक्षित मार्शल आर्ट और जिमनास्ट है, फिल्मों में विद्युत के एक्शन सीन को देख कर इसका अंदाजा बखूबी लगाया जा सकता है। क्रैक अभिनेता चार साल की छोटी सी उम्र से कलारीपयट्टु की ट्रेनिंग ली है इसके साथ ही उन्होंने मार्शल आर्ट में भी महारत हासिल किया है, जिसका नमूना वे समय-समय पर अपने इंस्टाग्राम पर दिखाते रहते हैं। विद्युत ने जिमनास्टिक के साथ-साथ जुजुत्सु, कुंग फू और कलारी की भी ट्रेनिंग ली है।

सारा अली खान की फिर बंधी ओटीटी से आस

अभिनेत्री सारा अली खान की आगामी फिल्म ए वतन मेरे वतन का ट्रेलर सोमवार को फिल्म के मेकर्स ने ऑनलाइन लांच कर दिया। एक गुमनाम नायक की अनकही कहानी में अभिनेत्री सारा अली खान का दमदार अवतार नजर आ रहा है। सारा अली खान कहती है कि इस तरह का दमदार किरदार निभाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। फिल्म ए वतन मेरे वतन के ट्रेलर में अपने दमदार अवतार को देखकर उत्साहित सारा अली खान कहती हैं, मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे यह किरदार निभाने का मौका मिला, जिसके लिए मैंने चीजों को अपने नजरिए से देखने के साथ-साथ यह समझने की कोशिश की, कि कौन सी बात मुझे प्रेरित करती है। यह फिल्म अनगिनत गुमनाम नायकों के बलिदान की याद दिलाती है, इसके साथ ही यह फिल्म इंसान के जज्बातों और उनके साहस की मिसाल पेश करती है। इस फिल्म में अभिनेता इमरान हाशमी स्पेशल गेस्ट अपीयरेंस में हैं। वह कहते हैं, यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि मुझे भारत के आजादी की लड़ाई के एक राजनेता का किरदार निभाने का मौका मिला। सारा अली खान के साथ यह मेरी पहली फिल्म है, फिल्म में अपने दमदार परफॉर्मेंस से वह दर्शकों को हैरत में डाल देंगी। मुझे इस बात की खुशी है कि इस तरह की दिल को छू लेने वाली कहानी का मैं भी एक छोटा सा हिस्सा हूं।

16 साल बाद आमिर के साथ काम करेंगे दर्शील सफारी

दर्शील सफारी ने साल 2007 में आमिर खान की फिल्म 'तारे जमीन पर' से बतौर चाइल्ड एक्टर बॉलीवुड डेब्यू किया था। यह फिल्म क्रिटिकली और कॉमर्शियली सक्सेसफुल रही थी और दर्शील रातों-रात सुपरस्टार बन गए थे। अब 16 साल बाद दर्शील एक बार फिर से आमिर खान के साथ काम करने जा रहे हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। दर्शील ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने आमिर के साथ एक कोलाज शेयर किया है। इस फोटो में दो तस्वीरें हैं। पहली 16 साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'तारे जमीन पर' के एक सीन की है, वहीं दूसरी में दोनों एक्टर्स री-यूनियन करते नजर आ रहे हैं। इसे शेयर करते हुए दर्शील ने लिखा, 'बूम.. 16 साल बाद, हम फिर से साथ हैं। इमोशनल? हां.. थोड़ा था.. चार्ज्ड? बिल्कुल। मेरे फेवरेट मेन्टर को इस एक्सपीरिएंस के लिए खूब सारा प्यार। कुछ बड़ा खुलासा होने वाला है। 4 डेज टु गो..'

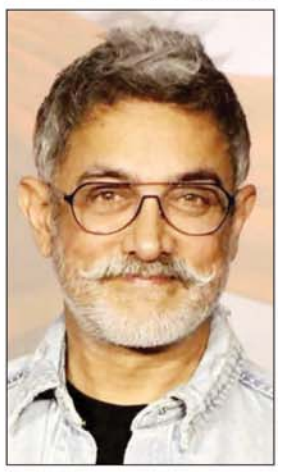

दिबाकर बनर्जी ने लव सेक्स और धोखा 2 के लिए 6,000 कलाकारों का लिया ऑडिशन

फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 के लिए फिल्म निर्माता दिबाकर बनर्जी ने विभिन्न भूमिकाओं के लिए 6,000 से अधिक कलाकारों का ऑडिशन लिया। यह फिल्म 2010 में बनी स्लीपर हिट का सीक्वल है। फिल्म निर्माता दिबाकर बनर्जी ने सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को चुनने के लिए कड़ी मेहनत की। इस बात का ध्यान रखा कि किरदार कहानी में फिट बैठ सके। एक सूत्र ने कहा, दिबाकर बनर्जी ने भूमिका के लिए लगभग 6,000 कलाकारों का ऑडिशन लिया। ऑडिशन लेते समय उनका विजन साफ था कि वह किस किरदार के लिए लोग चुन रहे हैं। इस पर उन्होंने काफी रिसर्च की थी। इसके लिए दिबाकर ने एकता कपूर के साथ मिलकर कुछ दिनों तक लगभग 10 से 12 घंटे तक भारतभर के यूट्यूबर्स की बहुत सारी फोटोज और वीडियो देखी। फिल्म 2010 की स्लीपर हिट लव सेक्स और धोखा का सीक्वल है। दिबाकर की पहली दो फिल्मों खोसला का घोसला और ओए लकी, लकी ओए के बाद यह उनकी तीसरी फिल्म है। सीक्वल का दर्शक बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

टीवी के शाहरुख बन खुश हैं धीरज धूपर

धीरज धूपर टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर नामों में से एक नाम हैं। उन्होंने जी टीवी के हिट शो कुंडली भाग्य में काम किया था। दर्शकों ने उन्हें इस शो में काफी सराहा भी था। आने वाले दिनों में वे सीरियल रब से है दुआ में दिखाई देने वाले हैं। धीरज अपने इस शो को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में अपने नए शो के प्रमोशन के दौरान उन्होंने इस सीरियल में अपने किरदार और बॉलीवुड में अपने डेब्यू के बारे में कई खुलासे किए। धीरज धूपर जी टीवी के आगामी शो रब से है दुआ में अहम भूमिका निभाते दिखाई देने वाले हैं। यह शो मुस्लिम समुदाय पर आधारित है। धीरज अपने शो के बारे में बात करते हुए कहते हैं, मैंने आज तक जितने भी किरदार निभाए हैं उन सबसे काफी अलग किरदार निभाने का मौका मुझे इस शो में मिल रहा है। मैं सुभान सिद्दीकी का किरदार निभा रहा हूं और इस किरदार के लिए मैं उर्दू सीख रहा हूं। मेरे लिए इस सीरियल में काम करना काफी रोमांचक अनुभव रहा है। धीरज धूपर ने सीरियल कुंडली भाग्य में अपने छह साल तक काम किया था। इस शो के बारे में बातें करते हुए धीरज कहते हैं, मेरे लिए मेरे फैंस की खुशी सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। करण लूथरा के किरादर में मुझे दर्शकों ने काफी प्यार दिया था और मैं वही प्यार शो रब से है दुआ के किरदार सुभान के लिए भी चाहता हूं। दर्शक मुझे टेलीविजन का शाहरुख खान कहते हैं और मेरे लिए यह खुशी की बात है। धीरज धूपर अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैं आज जहां हूं और जिस तरह का रोल कर रहा हूं मैं उससे काफी संतुष्ट हूं।

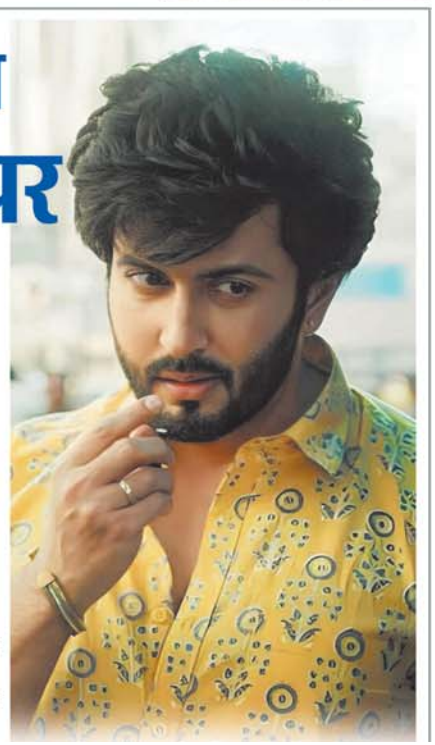

जे.पी.गुप्ता ने किया पिछोर एसडीएम का पदभार ग्रहण

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर(शिवपुरी) म.प्र.शासन सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल द्वारा राजीव समाधिया एसडीएम पिछोर का संयुक्त कलेक्टर ग्वालियर में स्थानांतरित होने पर पिछोर एसडीएम के पद पर जे.पी.गुप्ता डिप्टीकलेक्टर शिवपुरी को पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी का प्रभार सौंपा गया। जानकारी के अनुसार एसडीएम गुप्ताजी पूर्व में भी पिछोर में एसडीएम के पद पर रहकर कार्य कर चुके है।उनके प्रभार ग्रहण करने पर विभाग के सभी अधिकारी,कर्मचारी, मौके पर उपस्थित थे।

नींव द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस , सरकारी स्कूलों में फ्री सैनिटरी पैड की मांग के साथ मनाया

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर-नींव शिक्षा जनकल्याण समिति की सचिव रीना शाक्य ने बताया कि महिलाओं की लम्बी लड़ाई और संघर्ष की कहानी है अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस इसलिए भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के लिए हर्ष उल्लास और जश्न का दिन भी होता है लेकिन इस बार हमारी संस्था ने इस बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में फ्री सेनेटरी पैड व साफ स्वच्छ शौचालय की मांग जिसे लेकर हम लगातार ओनलाइन पिटीशन व कैंपेन कर रहे हैं समर्पित किया है शहर के अलग-अलग इलाकों में फ्री सैनिटरी पैड की मांग को लेकर पोस्टर हाथों में लेकर महिलाएं शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर रही हैं ?। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के लिए गाइड लाइन बनाने के लिए आदेशित किया है लेकिन दुख की बात है असंवेदनशील सरकार ने अभी धरातल हकीकत में किसी तरह की रूपरेखा तैयार नहीं की है।

गौरतलब हो की पूरे भारत में लगभग 23 मिलियन लड़कियां माहवारी स्वच्छता प्रबंधन ना होने के कारण बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ देती हैं इसलिए हमारी संस्था ने इस वर्ष का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सभी सरकारी स्कूलों में फ्री सैनिटरी पैड व स्वच्छ शौचालय की मांग को पूरा कराने के लिए समर्पित किया है।इस अभियान का बस्तियों में नेतृत्व साधना कोल, रानी वंशकार, अंकिता राजपूत, रानी आदिवासी, पूजा परिहार, रूचि शाक्य, वंशिका आदि ने किया है

पिछोर में कैंसर जागरूकता शिविर लगाया गया

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर/शिवपुरी 7 मार्च गुरूवार को पिछोर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पिछोर के युवा एवं ऊर्जावान एसडीओपी श्री प्रशांत शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।मुख्य अतिथि के रूप में शर्मा ने लोगो से कहा कि वर्तमान में बिगड़ती जीवनशैली और खानपान के कारण पूरे देश में कैंसर पैर पसार रहा है परंतु जागरुकता से इस से निजात पाई जा सकती है,पिछोर जैसी छोटी जगह में इस तरह के आयोजन निश्चित ही सौभाग्य का विषय है, इसके साथ ही लोगों से नशा ना करने की अपील की है,डॉक्टर शिवहरे मैडम ने जानकारी देते हुऐ बताया कि महिलाओं को नियमित अपनी जांच करवानी चाहिए और अपनी परेशानी बताने में संकोच नहीं करना चाहिए,ग्वालियर से पधारे डॉक्टर लोहिया जी ने बताया कि 100 में से 90 मरीजों को तंबाकू से कैंसर होता है इसलिए तंबाकू छोड़ें।तथागत फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित इस शिविर में आलोक इंदौरिया जी की भूमिका सराहनीय रही।अंत में डॉक्टर वर्मा जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

केन-बेतवा परियोजना तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना के लाभान्वित गांवों में 11 मार्च से 13 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- केन-बेतवा परियोजना तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना के लाभान्वित गांवों में 11 मार्च से 13 मार्च तक कलश यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम जल-जीवन अमृत विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला कोटेशन लेखन आदि के आयोजन किए जाएंगे।कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी द्वारा कार्यक्रम के आयोजन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कार्यकम में सहयोग हेतु अन्य अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही केन-बेतवा परियोजना तथा पार्वती-कालीसिंध -चंबल परियोजना के लाभान्वित गांवों की सूची जल संसाधन विभाग द्वारा सभी अधिकारियों को उपलब्ध करायी जायेगी। दीवार लेखन एवं कलश यात्रा कार्य एसआरएलएम के ग्राम संगठन व स्व-सहायता समूह को और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन, पुरस्कार के संबंध में ग्राम के विद्यालय के प्राचार्य को निर्देश दिए गए हैं।

एक बार फिर बनी शिवपुरी में राम लखन की जोड़ी

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

शिवपुरी ,शिवपुरी में एक बार फिर बनी राम लखन की जोड़ी कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी एवं रघुवंश कुमार भदोरिया ने भी बनाई जोड़ी पूर्व में पदस्थ कलेक्टर अक्षय कुमार एसपी राजेश सिंह चंदेल ने ये जोड़ी बरकरार रखी थी और और वही उनका ग्वालियर ट्रांसफर होने पर अभी भी उनकी जोड़ी ग्वालियर में बरकरार है अब ये जोड़ी कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी एवं रघुवंश कुमार भदोरिया सच्ची सेवा निष्ठा से बनाए हुए हैं दोनों ही आला अधिकारी द्वारा शिवपुरी जिले में अपराधों पर लगाम लगी हुई है मंगलवार जनसुनवाई के दौरान जिले की कमान दोनों आला अधिकारी बैठ के जन समस्या सुनते हैं व मंगलवार को जनसुनवाई में सभी की समस्या सुनते हैं और उनका तत्काल निराकरण सुनिश्चित करते हैं पुलिस अधीक्षक के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अन्य दिनों में भी जनता की सुनवाई हेतु पुलिस अधीक्षक हेल्प डेस्क का गठन किया गया है पुलिस अधीक्षक हेल्प डेस्क का कार्य शिकायत को सुनकर तत्काल संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश देकर तत्काल उचित वैधानिक कार्रवाई करना है और वही बात की जाये कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी की जिले के हर तहसील पंचायत गांव गांव जाकर जन समस्या सुनते हैं

डॉ परिहार पर नेपाल और बांग्लादेश की कई ऐक्टर्स की नजरें हैआपको बता दें कि दिल्ली एम्स हॉस्पिटल में अपनी सेवा देने वाले

संवादाता हरिओम परिहार

डॉ मोनिश परिहार गरीबों की सेबा में हमेशा आगे कदम से कदम मिला कर खड़े रहे रहते हैं और हर गरीब की मदद करने में सबसे आगे रहते हैं ऐसे डॉक्टर परिहार के लिए बारंबार धन्यवाद देते हैं जब जिले से लेकर ब्लॉक स्तर से लेकर ग्रामीण से लेकर जब कोई फोन पर ही कोई अगर ट्रीटमेंट लेता है तो तत्काल फोन रिसीव कर मरीज के लिए दवाई भी दिला देते हैं एक परिहार समाज में खुद का नाम रोशन तो किया लेकिन एक समाज का नाम रोशन भी किया है जिसको

मोनिश परिहार के नाम से जाना जाता हैदिल्ली एम्स के सर्जरी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर हैं इन्होंने भोपाल से पढ़ाई कर जनता की सेबा में अपना योगदान दिया है।एक छोटी सी उम्र में डॉक्टर बनना बहुत से लोगों के नसीब में नहीं होता लेकिन जो डॉक्टर बन जाता है वह एक भगवान का रूप होता है जो आज हर दुख दर्द में काम आने वाले हर समाज के लिए तट पर आगे आने वाले ऐसे डॉक्टर परिहार के लिए बहुत लोग विदेश से लाइक करते हैं जिन्होंने दिल्ली एम्स हॉस्पिटल में अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं

प्रधान आरक्षक श्री सी. एल. वर्मा पदोन्नत होकर बने सहायक उप निरीक्षक

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा

थाना गुनौर में पदस्थ प्रधान आरक्षक श्री सी एल वर्मा को पदोन्नति पर शासन द्वारा सहायक उप निरीक्षक बना दिया गया है. इस दौरान थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के द्वारा प्रधानारक्षक श्री सी एल वर्मा की वर्दी में अपने हाथ से एक स्टार लगाया गया . प्रधान आरक्षक सी एल वर्मा की पहचान एक कुशल विवेचक एवं अच्छे पुलिसकर्मी के रूप में रही है. श्री सी एल वर्मा की पदोन्नति उपरांत उनका स्थानांतरण भी पन्ना जिले से जिला छतरपुर हुआ है. थाना प्रभारी गुनौर सहित थाना के समस्त पुलिस स्टाफ के द्वारा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है.

महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहना

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

दमोह। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में लक्ष्मण कुटी सेक्टर में नवांकुर संस्था बुंदेलखंड नव निर्माण संगठन एवं युवा जन कल्याण समिति द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचकर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। स्टाफ नर्स राखी ने महिलाओं से चर्चा करते हुए बताया की आज 8 मार्च को विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है ऐसी मनाने का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है लेकिन आज भी महिलाओं का अधिकार नहीं मिले हैं महिलाओं के हिंसा के मामले आज समाज में लगातार बढ़ रहे हैं महिलाओं को अपनी लड़ाई खुद लड़ने की जरूरत है महिलाएं कभी भी कमजोर नहीं रही इतिहास गवाह है चाहे सावित्री हो या रानी लक्ष्मीबाई। बेटा बेटी एक समान है बेटी है भी बेटों की तरह समझ में मां-बाप का नाम रोशन हर जगह कर रही हैं महिलाओं के घरेलू हिंसा पर चर्चा हुई एवं ऐसी घटनाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया । इस अवसर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति का सहयोग रहा। कार्यक्रम में अंकित बसेडिया, पुष्पेंद्र पटेल सुमन सिंह, माया सिंह, प्यारी बाई सिंह नंदनी सिंह, पूनम सिंह, अर्चना सिंह, निधि,पूजा, रजनी, रितु केसरी बाई आदि की उपस्थिति रही

उप मुख्यमंत्री 9 मार्च को करेंगे रतहरा तालाब का लोकार्पण,कलेक्टर ने रतहरा तालाब का निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

रीवा . उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 9 मार्च को रतहरा तालाब का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण समारोह शाम 6 बजे आरंभ होगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने रतहरा तालाब का निरीक्षण कर समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तालाब सौन्दर्यीकरण की कार्ययोजना में स्वीकृत सभी कार्य अनिवार्य रूप से पूरे कराएं। तालाब परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में छोटे-बड़े पौधों का रोपण कराएं। लोकार्पण के बाद तालाब में बड़ी संख्या में आमजनता का प्रवेश होगा। नगर निगम के माध्यम से तालाब परिसर में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था करें। वाहनों की पार्किंग के लिए भी उचित व्यवस्था करें।कलेक्टर ने कहा कि रतहरा तालाब आसपास के लोगों के लिए रमणीय स्थल साबित होगा। इसके फूड जोन का कार्य भी शीघ्र पूरा कराएं।

खाद्य विभाग कि त्यौंथर क्षेत्र में की गई कार्यवाही

रीवा मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत कलेक्टर रीवा द्वारा गठित संयुक्त जाँच दल द्वारा आज त्योथर क्षेत्र में चिलिंग प्लांट की जाँच की गई । सर्वप्रथम पथरीगड़ स्थित बॉयलर प्लांट हरियाणा डेरी की जाँच की गई जहाँ छः भटी लगाकर मावा का निर्माण किया जाता है मौक़े पर प्लांट बंद कर के विक्रेता राहुल तिवारी द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा हफ़्ते में दो दिन प्लांट चलाकर मावा बनाया जाता है और इलाहाबाद एवं अन्य शहरों में विक्रय किया जा रहा है। लाइसेंस की माँग करने पर लाइसेंस का आवेदन पाया परंतु लाइसेंस नहीं पाया। जाँच के दौरान दूसरी कार्रवाई ग्राम पर्सिया स्थित विवेक डेरी में की गई जहाँ दूध प्रोसेस प्रोसेस कराकर मावा पनीर का निर्माण कर रीवा सप्लाई किया जाता है इस मौक़े पर मावा पनीर दूध के नमूने जाँच हेतु लिया गया । इसके पश्चात टीम द्वारा ग्राम खटिया इलाहबाद रोड सुहागी रोड स्थित क्लस्ट द्वारका डेरी पर जाँच कार्रवाई की गई डेयरी संचालक अनुराग पांडे द्वारा क्लस्ट मे ढाई हज़ार लीटर दूध ख़रीद कर कोसांबी डेरी इलाबाद को सप्लाई किया जाता है मौक़े पर डेरी में ट्रांसपोर्टेशन का कोई लाइसेंस नहीं पाया गया डेयरी से दूध का नमूना जाँच हेतु लिया गया। जाँच के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी , अम्बरीश दुबे साबिर अली शामिल रहे।

भुतहा पंचायत सचिव भवनीलाल भारद्वाज का सचिवालय में लगा रहता है हर रोज ताला

सचिव जनपद पंचायत के आसपास विचरण करने से फुर्सत होगा तभी खोलेंगे सचिवालय।

मालखरौदा/मालखरौदा जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत भुतहा सचिवालय हमेशा बंद पाये जाते हैं सचिव भवानी लाल भारद्वाज का यह कारनामा बरसो पुराना है यह सचिव दो ग्राम पंचायत देख रहा है एक भुतहा ग्राम पंचायत तो दूसरा मोहंदीकला पंचायत और दोनों पंचायत का इसका यही हाल है जो पंचायत के हितग्राहियों को किस तरह सुविधा देता होगा इस बन्द कार्यलाय को देखकर समझ सकते हैं। आज दिनांक 06/ 03/ 2024 दिन बुधवार समय 11ः30 से 12 बजे तक जब पत्रकार ने भुतहा पंचायत के कार्यलाय का विजिट किया तो पंचायत भवन में ताला लगा हुआ था पता नहीं सचिव भवानी लाल भारद्वाज अपने मुख्यालय छोड़कर कहा घूमता रहता है। यह इसका हर रोज का यही काम है जब हमने सरपंच सखीराम साहू से इस बारे में चर्चा किये तो सरपंच ने कहा सचिव कुछ काम के लिये रायपुर गया हुआ है इस कारण पंचायत भवन

सचिवालय बंद है आज तो हमने सरपंच से पुनः कहा की कार्यलाय कल परसो भी बंद था तो सरपंच ने फिर कहा कल जनसमस्या निवारण शिविर मालखरौदा में थे,हमने सरपंच से फिर सवाल किया कि परसो भी बंद था और इस तर हर रोज बंद ही रहता है तो बताएं सचिव इतने दिन कहा विचरण करते हैं जो हमेशा सचिवालय बंद रहता है तो सरपंच ने फिर कहा कि सचिव दो पंचायत देखतें हैं तो हर रोज यहाँ नहीं आते हैं इससे समझ सकते हैं कि सचिव भवनीलाल भारद्वाज का कार्यशैली किस प्रकार से होगा,इससे साफ जाहिर होता है कि सरपंच और सचिव की मिलीभगत से ही कार्यालय हमेशा बंद रहता है चाहे ग्रामीणों को असुविधाएं होते रहे इनको कोई मतलब नहीं है।

साखीराम साहू सरपंच ग्राम पंचायत भुतहा। सचिव आज रायपुर गया हुआ है कुछ काम से और कल जनसमस्या निवारण शिविर था तो कार्यलाय बंद था हैं एवं परसो की बात करें तो सचिव दो दो पंचायत देख रहे हैं तो वहाँ गया होगा कन्फर्म नहीं है।

बैन होगी ईवीएम.....सोशल मीडिया पर चल रहे फर्जी वीडियो

-पीईबी ने किया साफ, ये सारे दावे गलत

नई दिल्ली। आम चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग जल्द ही लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान कर सकता है। इन तमाम चुनावी खबरों के बीच सोशल मीडिया पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन या ईवीएम को लेकर भी बड़े दावे हो रहे हैं। दावों में बताया जा रहा है देश में ईवीएम का इस्तेमाल बंद होने वाला है? इस रिपोर्ट में जानते हैं कि आखिर सच्चाई क्या है। दरअसल प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) की तरफ से हाल ही में वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब पर कुछ खास चैनलों का जिक्र किया गया है। जिसमें ईवीएम को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, पीईबी ने स्थिति साफ कर दी है। कुछ वीडियोज में दावा किया जा रहा है, देशभर में ईवीएम होगी बंद, आंदोलन से झुका चुनाव आयोग। एक अन्य वीडियो में कहा जा रहा है, सुप्रीम कोर्ट का आ रहा फैसला, बैलेट पेपर से ही होगा 2024 का चुनाव। पीईबी ने बताया है कि ये सभी दावे फर्जी हैं। चुनाव आयोग की तरफ से ईवीएम को बैन करने का फैसला नहीं लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट और बैलेट पेपर से जुड़ी खबर को भी फर्जी बताया गया है। पीईबी का कहना है कि एक फर्जी वीडियो चलाया जा रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने के निर्देश जारी किए हैं।

अंकित सक्सेना हत्याकांड : तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली में वर्ष 2018 में हुए अंकित सक्सेना हत्याकांड मामले में तीस हजारी कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने मामले में आरोपी मोहम्मद सलीम, अकबर अली और उसकी पत्नी शहनाज बेगम को आजीवन कैद की सजा सुनाई है। साथ ही तीनों दोषियों पर 50-50 हजार का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने कहा कि दोषियों की उम्र, आपराधिक रिकॉर्ड को देखकर मौत की सजा नहीं दी जा रही है। कोर्ट ने तीनों दोषियों पर जुर्माना भी लगाया है और जुर्माने की रकम अंकित के परिवार को दी जाएगी। अंकित दो आरोपियों अकबर अली और शहनाज बेगम की बेटी के साथ रिश्ते में था, जो कथित तौर पर इस रिश्ते के विरोधी थे, क्योंकि दोनों अलग-अलग धर्मों से थे। तीसरा आरोपी महिला का चाचा था। दरअसल 1 फरवरी 2018 को 23 वर्षीय फोटोग्राफर अंकित को उसकी 20 वर्षीय प्रेमिका के परिवार ने रघुबीर नगर में खुलेआम मार डाला था। पुलिस ने कहा था कि अंकित को अली, बेगम, उनके नाबालिग बेटे और उनके रिश्तेदार मोहम्मद सलीम ने 10-15 मिनट तक पीटा था। पुलिस ने कहा कि जब आरोपी अंकित के साथ बहस कर रहे थे, अंकित के माता-पिता और दोस्त उसके बचाव में आए, पर आरोपियों ने उसकी मां के साथ मारपीट की। पुलिस ने उन माता-पिता के बयानों पर संज्ञान लिया जिन्होंने आरोप लगाया था कि उनके बेटे को उनके सामने मार दिया गया था। उन्होंने उसे ई-रिक्शा में लेकर अस्पताल पहुंचे लेकि?न अंकित को मृत घोषित कर दिया गया। हत्या के तुरंत बाद महिला को नारी निकेतन भेजा गया क्योंकि महिला ने दावा किया था कि उसके परिवार वाले उसे भी मारने की कोशिश कर सकते हैं। इसके बाद में लड़की को उसकी मौसी के घर भेज दिया गया। उसके चाचा, माता-पिता और भाई को कुछ ही दिनों में पकड़ लिया गया था। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर की गवाही पर भरोसा करते हुए, अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में सक्षम था कि मौत 'तेज धार' वाले हथियार से हुई थी।

आप नेता का आरोप, बांसुरी स्वराज ने ललित मोदी को भागने में मदद की

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने नई दिल्ली संसदीय सीट पर अपनी प्रतिद्वंद्वी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीद्वार बांसुरी स्वराज पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि उन्होंने अदालतों में पूर्व इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्रमुख ललित मोदी का प्रतिनिधित्व कर उन्हें देश से भागने में मदद की। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आप नेता भारती पर पलटवार कर कहा कि वे हताश और हतोत्साहित उम्मीदवार हैं, जो सिर्फ चुनावी मुकाबले में दिखने की कोशिश कर रहे हैं। भारती ने दावा किया कि बांसुरी ललित मोदी की वकील थी। ललित मोदी पर भारत में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपी हैं। बांसुरी स्वराज की उम्मीदवारी पर सवाल उठाते हुए आप नेता ने कहा कि यह बहुत चिंता की बात है कि भाजपा ने उस व्यक्ति को मैदान में उतारा है, जिसने भगौड़े आरोपी ललित मोदी की मदद की थी। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार से पांच सवाल पूछे कि क्या वह (बांसुरी स्वराज) ललित मोदी को एक ईमानदार व्यक्ति मानती हैं, क्या भाजपा ने उनसे उनकी मदद करने के लिए कहा था, क्या वह अभी भी उन्हें कानून के चंगुल से बाहर रहने में मदद कर रही हैं, और क्या ललित मोदी का बचाव करना देशद्रोह है। वहीं दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता कपूर ने कहा कि नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने बांसुरी की जीत सुनिश्चित करने का मन बना लिया है और हताश भारती निराधार आरोप लगा रहे हैं। कपूर ने कहा ''भारती एक स्त्री द्वेषी मानसिकता वाला व्यक्ति है, जिसके खिलाफ महिला उत्पीड़न के कई आरोप दर्ज हैं, अपनी पार्टी के एक पार्षद द्वारा एक नाबालिग लड़की के उत्पीड़न पर उनकी चुप्पी उनके महिला विरोधी चरित्र को दर्शाती है।

अमृतसर में बब्बर खालसा इंटरनेशनल के दो आंतकी गिरफ्तार

अमृतसर । पंजाब पुलिस ने खुफिया अभियान के दौरान बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) समर्थित आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि मॉड्यूल का संचालन यूएसए स्थित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियन द्वारा हो रहा था, जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा का करीबी सहयोगी था, साथ ही उसका सहयोगी शमशेर सिंह उर्फ शेरा वर्तमान में आर्मेनिया में था। पुलिस ने उनके पास से दो पिस्तौल, चार मैगजीन और 30 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। जांच के अनुसार हैप्पी, रिंडा और शमशेर के साथ मिलकर राज्य में युवाओं को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए प्रेरित करके कट्टरपंथी बनाने का काम कर रहा था। स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), अमृतसर में यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

उत्तर भारत में फिर पांव पसारने लगा कोरोना, चपेट में आए राजस्थान के मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। समूची दुनिया में कोहराम मचाने वाला कोरोना एक बार फिर सिर उठाने लगा है। दिल्ली,यूपी,बिहार और राजस्थान में इसका असर दिखाई देने लगा है। राजस्थान में खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इसकी जद में आ गए हैं। दिल्ली में बुधवार को कोरोना के 63 नए मामले सामने आए हैं। बीते साल मई के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब दिल्ली में एक ही दिन में कोरोना के इतने केस मिले हैं। दिल्ली के अलावा राजस्थान, यूपी और बिहार में भी कोरोना के केसों में तेजी देखी जा रही है। इसके चलते स्वास्थ्य विभाग की चिंताएं भी बढ़ी हैं। बड़ी बात यह है कि इस बार उत्तर भारत में केसों में इजाफा हो रहा है, जबकि दक्षिण में केस कम हुए हैं। इससे पहले दक्षिण के केरल, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में ही केस ज्यादा पाए जा रहे थे। इससे पहले बीते साल मई में ही ऐसा हुआ था, जब कोरोना के केसों की संख्या 50 से अधिक थी। इस साल दिसंबर और जनवरी में भी कोरोना केसों में थोड़ा इजाफा हुआ था, लेकिन पहले के मुकाबले कम ही थे। पूरे देश में 30 दिसंबर को सबसे ज्यादा 841 कोरोना केस पाए गए थे। उस दौरान ज्यादातर केस केरल समेत दक्षिण भारत के राज्यों से ही आए थे। लेकिन अब दो महीने बाद उत्तर भारत में कोरोना सिर उठाता दिख रहा है। अब यूपी की बात करें तो पिछले 15 दिनों में 164 केस मिले हैं, लेकिन उससे पहले के दो सप्ताह में तो यह आंकड़ा 36 का ही था। इसी तरह बिहार में पिछले 15 दिनों में कोरोना केसों की संख्या 103 पाई गई है। दिल्ली में पिछले 15 दिनों में कोरोना के 459 केस पाए गए हैं। उससे पहले के 15 दिनों में यह आंकड़ा 191 का ही था। यही नहीं उससे भी पहले तो महज 91 मामले ही मिले थे। इस तरह मौसम के बदलाव के बीच कोरोना केसों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। अब राजस्थान की बात करें तो राज्य में बीते 15 दिनों में 226 मामले मिले हैं। वहीं इससे पहले 96 केस ही पाए गए थे। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। यह आंकड़ा बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन इस बीच टेस्टिंग भी कम ही हो रही है। ऐसे में यदि टेस्टिंग में इजाफा हुआ तो फिर संकट बड़ा हो सकता है।

मोदी के दोस्त बने कश्मीर के नाजिम, सेल्फी शेयर की

श्रीनगर (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को कश्मीर दौर पर पहुचे हैं। पीएम मोदी ने इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक सेल्फी शेयर करते हुए लिखा दोस्त नाजिम, अब यह तस्वीर चर्चा का विषय बन गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म एक्स पर गुरुवार को पुलवामा निवासी नाजिम के साथ एक सेल्फी साझा की है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने लिखा है, कि दोस्त नाजिम के साथ मेरी एक यादगार सेल्फी। मैं उनके अच्छे कार्यों से प्रभावित हुआ। उन्होंने मुलाकात के दौरान सेल्फी का अनुरोध किया। उनसे मिलकर प्रसन्नता हुई। उनके उज्जवल भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं हैं।

यहां पीएम मोदी ने सेल्फी पोस्ट की वहां सवाल उठे कि आखिर नाजिम हैं कौन जिन्हें पीएम इतनी ज्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं। यहां बताते चलें कि पीएम मोदी के साथ सेल्फी में दिख रहे नाजिम कोई और नहीं बल्कि विकसित भारत कार्यक्रम के एक लाभार्थी हैं और उन्होंने विकसित भारत विकसित जम्मू-कश्मीर कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी से वार्तालाप की है। नाजिम ने बातचीत के दौरान 2018 से शुरु की गई अपने शहद विक्रय की यात्रा का ब्यौरा प्रस्तुत किया। नाजिम का कहना है कि जब वो 10वीं क्लास में पढ़ रहे थे तभी से उन्होंने मधुमक्खी पालन का कार्य शुरू किया। साल 2019 में नाजिम ने सरकार से सब्सिडी के साथ मधुमक्खियों के 25 बॉक्स हासिल किए थे। इसमें से नाजिम ने 75 किलो शहद निकाला और आस-पास के ग्रामीण इलाकों में उसे बेचने का काम किया। इससे उसने 60,000 हजार रुपये की

कमाई की। अब नाजिम का यह कारोबार बढ़कर 25 बक्सों से 200 बक्सों तक पहुंच गया है।

पीएम मोदी के दोस्त बने नाजिम ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की मदद उन्होंने ली है। इस योजना के तहत 5 लाख रुपये मिले और फिर नाजिम ने 2020 में वेबसाइट शुरू कर शहद विक्रय का कार्य शुरु कर दिया। नाजिम के शहद को ब्रांड के तौर पर एक अलग पहचान मिली है, जिस कारण साल 2023 में पांच हजार किलो का शहद वह बेच पाया है। अब नाजिम के साथ करीब सौ लोग काम कर रहे है।

कश्मीर की मीठी क्रांति का नेतृत्व किया

नाजिम से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पूछा, कि जब छोटे थे, तब क्या बनना चाहते थे? इस पर नाजिम ने बताया कि उनके पैरेंट्स तो उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर बनाना चाह रहे थे, लेकिन वह कुछ अलग करना चाहता था। इस पर पीएम मोदी ने कहा, कि आपके परिवार ने आपकी क्षमता को पहचाना और आप उनके अनुसार डॉक्टर बन सकते थे, लेकिन आपने उस रास्ते को नहीं चुना। आप ने ऐसा करके कश्मीर की मीठी क्रांति का नेतृत्व किया है। इसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई।

मणिपुर में शांति बहाली के लिए बातचीत ही उपाय : रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए बातचीत ही एकमात्र साधन है और सामान्य स्थिति में वापस लाने के लिए मोदी सरकार हर संभव प्रयास कर रही। रिजिजू ने जातीय संघर्ष के लिए मणिपुर उच्च न्यायालय के उस आदेश को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें मैतेई लोगों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की सिफारिश की गई थी। हिंसा ने अशांत राज्य में कम से कम 219 लोगों की जान ले ली है। रिजिजू ने कहा कि मणिपुर में समस्या केंद्र के खिलाफ विद्रोह नहीं है, बल्कि दो प्रमुख समूहों, मैतेई और कुकी के बीच जातीय संघर्ष है। साथ ही उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल में ध्यान भारत को उच्च आय श्रेणी में लाने पर होगा ताकि इस दुनिया के विकसित देशों में गिना जा सके। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया के विकसित देशों में शुमार करने के लिए प्रति व्यक्ति आय 18,000 अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी और मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में देश को उच्च आय श्रेणी में लाने का प्रयास करेगी। रिजिजू ने पिछली कांग्रेस सरकारों पर शौचालय, लोगों के लिए बैंक खाते, खाद्य सुरक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करने के लिए आलोचना की, जो अब मोदी सरकार द्वारा प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई मणिपुर में शांति बहाल करने में मदद करना चाहता है, तब पहले जाकर मेइतियों और कुकियों दोनों से अपील करें कि वे हथियार न उठाएं। शस्त्र संघर्ष से कोई समाधान नहीं निकलेगा। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सलाह दी कि वे इसतरह के प्रयास करना बंद कर दें जो उनकी क्षमताओं से परे हैं, क्योंकि उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस उनकी राजनीतिक पारी को फिर से शुरू करने के हर प्रयास में विफल रही है। रिजिजू ने कहा कि अगर उन्हें भी गांधी परिवार की तरह असफलताओं का सामना करना पड़ा होता, तब उन्होंने ऐसा कुछ करने की कोशिश में अपनी पार्टी और सहयोगियों का कीमती समय बर्बाद नहीं किया होता जो करने योग्य नहीं था।

असम के सीएम सरमा और बदरुद्दीन अजमल के बीच तनातनी, एक दूसरे को दे रहे चुनौती

गुवाहाटी असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्वा सरमा और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) प्रमुख और लोकसभा सांसद बदरुद्दीन अजमल के बीच तनातनी चल रही है। एक दूसरे के खिलाफबयानबाजी के साथ ही एक दूसरे को चुनौती भी दे रहे हैं। सीएम सरमा ने कहा कि राज्य में जादुई उपचार नहीं चलेगा और एआईयूडीएफ चीफ बदरुद्दीन अजमल मानने को तैयार नहीं हैं वे लगातार नियमों को उल्लंघन कर रहे हैं ऐसे में उनकी गिरफ्तारी कभी भी हो सकती है।

सीएम के इस बयान पर अजमल भड़क गए उन्होंने भी कह दिया है कि रात दिन मियां मियां करना छोड़ दीजिए। जिस दिन मिया नहीं होगा उस दिन दो वक्त का खाना मिलना बंद हो जाएगा।

सांसद बदरुद्दीन अजमल ने कहा है कि 'मियां-मियां मत बोलो। मैं आपको चुनौती देता हूं, अगर मुसलमान नहीं होंगे तो आपको तीन दिन तक खाना नहीं मिलेगा, निर्माण कार्य रुक जाएंगे। आप मुसलमानों को 300 साल में भी बाहर नहीं कर पाओगे। बता दें कि इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उन पर निशाना साधा था। उन्होंने बदरुद्दीन अजमल को चेतावनी दी कि वे राज्य में जादुई उपचार न करें, अन्यथा उन्हें गिरफ्तार किया

जा सकता है। बुधवार (6 मार्च) को असम के लखीमपुर जिले में कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, 'बदरुद्दीन अजमल जादुई उपचार करते हैं, और उन्होंने अपनी सार्वजनिक बैठकों के दौरान भी अपनी चालें आजमाई। लेकिन असम विधानसभा ने एक विधेयक पारित किया है राज्य में जादुई उपचार पर प्रतिबंध लगाया है। जो कोई भी ऐसा करेगा उसे सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा।'सीएम सरमा ने यह भी कहा कि बदरुद्दीन अजमल अपनी बात का पालन नहीं कर सकते हैं, लेकिन एआईयूडीएफनेता को विधानसभा द्वारा पारित असम हीलिंग (प्रिवेंशन ऑफ इविल प्रैक्टिसेज बिल, 2024) का पालन करना चाहिए। बता दें कि असम सरकार ने हाल ही में संपन्न विधानसभा के बजट सत्र में विधेयक पारित किया जो चिकित्सा के नाम पर जादुई उपचार को गैरकानूनी घोषित करेगा और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति के लिए कठोर दंड का सुझाव देगा।

मध्य प्रदेश में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए बसपा ने ठोकी ताल, त्रिकोणिय मुकाबले की बढ़ी संभावना

भोपाल (।। मध्य प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी बहुजन समाज पार्टी कर रही है। इसके लिए बसपा सुप्रीमो मायावती ने उम्मीदवारों की सूची मांगी है। यदि बसपा सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारती है तो कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है। इससे भाजपा और कांग्रेस के लिए एक नई चुनौती खड़ी हो सकती है।

सभी लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी में पार्टी सुप्रीमो मायावती राज्य के पदाधिकारियों से चर्चा कर रही हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से मध्य प्रदेश की सभी सीटों पर उम्मीदवारों की लिस्ट मांगी है। इन उम्मीदवारों पर विचार विमर्श करने के बाद एक सप्ताह के अंदर ही बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर सकती है। मध्य प्रदेश में यूं तो लोकसभा के रण में बीजेपी और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला होता है, लेकिन बहुजन समाज पार्टी की एंट्री से इन दोनों ही पार्टियों के वोट में कटौती होने का खतरा बढ़ गया है। बता दें की समाजवादी पार्टी भी मध्य प्रदेश में उम्मीदवार उतारने वाली है। कांग्रेस के साथ गठबंधन के दौरान सपा ने मध्य प्रदेश की खजुराहो सीट से चुनाव लड़ने की पेशकश की थी, जिसे कांग्रेस ने मान लिया था। बहुजन समाज पार्टी ने हाल ही में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए तेलंगाना में भी गठबंधन का ऐलान किया है। तेलंगानाम में मायावती की बीएसपी ने के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति के साथ गठबंधन किया है। ये दोनों दल तेलंगाना में मिलकर उम्मीदवार उतारेंगे। वहीं उत्तर प्रदेश में भी बीएसपी सभी सीटों पर उम्मीदवार उतार सकती है।

अब केजरीवाल के गले पड़ी एक नई मुसीबत, 16 मार्च को कोर्ट में होना पड़ेगा पेश

नई दिल्ली दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के गले एक नई मुसीबत पड़ गई है। उन्हे 16 मार्च को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया है। दिल्ली के शराब घोटाला मामले मे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ की गई दूसरी शिकायत पर राऊज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को पेश होने का आदेश दिया है।दरअसल ईडी ने आबकारी नीति से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में समन का पालन नहीं करने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने का अनुरोध करते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट में नई शिकायत दर्ज कराई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नई शिकायत धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 50 के तहत संघीय जांच एजेंसी द्वारा आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को भेजे गए समन संख्या 4 से 8 का पालन नहीं करने से जुड़ी है। ईडी ने इससे पहले भी राउज एवेन्यू कोर्ट में याचिका दायर कर सीएम केजरीवाल को जारी किए गए पहले तीन समन पर पेश नहीं होने के लिए उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की थी। यहां गौर करने वाली बात यह है कि ईडी की पहली शिकायत पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को 16 मार्च को समन किया था। वहीं इस दूसरी शिकायत पर भी कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को उसी दिन पेशी के लिए बुलाया है। उधर सीएम केजरीवाल ने ईडी के इन सभी आठ समन्स को 'अवैध' बताया था और केंद्रीय एजेंसी को सूचित किया था कि उनसे 12 मार्च के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये पूछताछ की जा सकती है।

चिराग पासवान को इंडिया अलायंस से मिला बड़ा ऑफर

पटना। बिहार में सीट शेयरिंग की गुत्थी अभी सुलझी नहीं है। ऐसे में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और जमुई से सांसद चिराग पासवान को इंडिया अलायंस की तरफ से बड़ा ऑफर मिला है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि चिराग को बिहार में आठ और पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में दो सीट का ऑफर इंडिया गठबंधन की तरफ से दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक चिराग पासवान को ऑफर की गई बिहार की आठ सीटों में वे सभी छह लोकसभा सीटें शामिल हैं, जिस पर 2019 के चुनावों में अविभाजित लोजपा ने जीत दर्ज की थी। इसके अलावा राज्य में दो अतिरिक्त सीट देने की भी बात कही गई है। इस तरह उन्हें कुल आठ सीटें देने का प्रस्ताव रखा गया है।

इंडिया गठबंधन की तरफ से दिया गया ऑफर चिराग पासवान के लिए बेहद लुभावना है क्योंकि भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए में उन्हें सिर्फ वही छह सीटें दी जा रही हैं, जो 2019 में पार्टी ने जीती थी।

इनमें से पांच सीटें उनके चाचा पशुपति कुमार पारस के धड़े वाली राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के कब्जे में है, जिनसे उनका 36 का आंकड़ा है। इस तरह एनडीए की तरफ से चिराग को सिर्फ सीटिंग जमुई सीट ही मिल रही है, जबकि वह पिता रामविलास पासवान की परंपरिक सीट हाजीपुर समेत छह सीटों पर अपना दावा ठोक रहे हैं।चिराग पासवान खुद को मोदी का हनुमान कहते रहे हैं, जबकि 2020 के विधानसभा चुनावों से ही नीतीश कुमार के घोर विरोधी रहे हैं। अब इंडिया गठबंधन से नीतीश के निकलने के बाद उनके दुश्मन को दोस्त बनने का ऑफर दिया गया है। अगर चिराग ये ऑफर मान लेते हैं तो एनडीए को करीब 5 फीसदी वोट गंवाना पड़ सकता है। राज्य में पासवानों का करीब 5.5 फीसदी वोट है, जिसे चिराग पासवान के साथ माना जाता है। पीएम मोदी की हालिया दो सभाओं में चिराग पासवान शामिल नहीं हुए थे, जिससे उनके नाराज होने की चर्चा चल रही है।बता दें कि रामविलास पासवान के निधन के बाद 2021 में पार्टी विभाजित हो गई थी। उनके चाचा पशुपति कुमार पारस ने पांच सांसदों के साथ विद्रोह करते हुए पार्टी पर कब्जा कर लिया था। इस विद्रोह के कुछ दिनों बाद ही पारस को केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने पर चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार पर हमला बोला था। हालाँकि, उन्होंने भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने से परहेज किया था।

कोई सख्त कार्रवाई नहीं, एफआईआर मामले में अधीर रंजन को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत

कलकत्ता । अधीर रंजन चौधरी ने हाईकोर्ट में बचाव पक्ष दाखिल किया है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने अब अधीर के खिलाफ एफआईआर को सुरक्षा दे दी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ मालदाहेर हरिश्चंद्रपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। उसी के आधार पर कोर्ट आज अपना फैसला सुनाएगी। फैसले में कहा गया है कि पुलिस उसके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर सकेगी। मालदा के हरिश्चंद्रपुर थाने की एफआईआर की अंतिम रिपोर्ट पुलिस हाईकोर्ट की अनुमति के बिना नहीं दे सकती। अधीर रंजन चौधरी के खिलाफ पुलिस कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर सकती। इसके अलावा फैसले में कहा गया कि पुलिस 48 घंटे पहले सूचित करके वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और सांसदों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात कर सकती है। इसके अलावा जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने इस मामले में पहले दिए गए धारा 41-ए के नोटिस को भी निलंबित करने का आदेश दिया है। राहुल गांधी के राज्य दौरे के दौरान उनके काफिले की एक कार का शीशा टूट गया। उस दौरे पर सांसद अधीर रंजन चौधरी थे। पुलिस के मुताबिक, उन्होंने वहां भड़काऊ भाषण दिया, जिससे कांग्रेस समर्थक भड़क गए। लेकिन अधीर के वकील का दावा है कि शीशा तोड़ने की घटना इस राज्य के बाहर हुई है। लेकिन पुलिस फर्जी मुकदमा दर्ज कर वरिष्ठ नेता को परेशान करने का प्रयास कर रही है। मामले की अगली सुनवाई अप्रैल के पहले सप्ताह में होनी है।

योगी की राडार पर 13000 मदरसे, मौलाना ने कहा, अगर टेरर फंडिग के सबूत तब बंद करें

-एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट यूपी सरकार को सौंपी

बरेली यूपी की योगी सरकार द्वारा राज्य में मदरसा का जांच के लिए बनी एसआईटी की टीम ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें करीब 13000 मदरसों को बंद करने की सिफारिश की गई है। वहीं एसआईटी की सिफारिश पर प्रतिक्रिया देकर आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने कहा, मदरसे धार्मिक शिक्षा का केंद्र है। यह संस्थाएं संविधान में दी गई इजाजत के अनुसार चलती हैं। (506) मदरसों को छोड़कर बाकी हज़ारों मदरसे मुस्लिम कौम के आपसी चंदे से चलते हैं, इनके संचालन और पढ़ाई लिखाई में हुकुमत कुछ भी मदद नहीं करती है, इसलिए मदरसों को बंद करने का आदेश देना उचित नहीं है।

मौलाना ने कहा, नेपाल-बार्डर पर सटे हुए विभिन्न जनपदों में स्थापित मदरसे कुछ नए नहीं हैं। बल्कि तीस चालीस साल पुराने बने हुए हैं, जब यह मदरसे बन रहे थे उस वक्त हुकूमत ने रोक क्यों नहीं लगाई। मान्यता की प्रक्रिया अपनाएं जाने के वक्त संबंधित अधिकारी पेपरों को चेक करते हैं। फिर मौका मुआयना करते हैं। लंबी प्रक्रिया के बाद के बाद मानता दी जाती है, अगर सरकार की नजर में यह मदरसे गलत हैं, तब मान्यता देने वाले अधिकारी भी गलत हैं।

मौलाना ने कहा कि जहां तक टेरर फंडिंग की बात है, यह जरूर चिंताजनक है। इस विषय पर किसी से समझौता नहीं किया जा सकता। जिन मदरसों की टेरर फंडिंग में लिप्त होने की बात कही जा रही है, योगी सरकार के पास अगर ठोस सुबूत हैं, तब इसतरह के मदरसों को जरूर बंद कर दिया जाना चाहिए।

मौलाना ने मदरसों के संचालकों व प्रबंधकों को कहा कि अपने मदरसे के तमाम कागजात दुरुस्त रखें, पैसों का लेन-देन बैंक अकाउंट व चेक से करें, चंदा लेने वाली रसीदों का रजिस्टर दुरुस्त रखें, सालाना इनकम टैक्स जमा करें, सालाना आमद व खर्च का बेवरा भी छपें और साथ ही अल्पसंख्यक विभाग या बेसिक शिक्षा विभाग से संबंध रखें ताकि लोग आपत्ति ना कर सके।

भोलेनाथ की भक्ति में लबरेज नज़र आए ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

महाशिवरात्रि पर्व पर पांच घण्टे लाइन में लगकर किए कोटेश्वर महादेव के दर्शन

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शुक्रवार को महाशिवरात्रि पर्व की बेला में भोलेनाथ की भक्ति में लबरेज नज़र आए। इस दौरान उन्होंने पैदल यात्रा की और श्रद्धालुओं के साथ भोलेनाथ के भजनों की धुन पर थिरकते नज़र आए। उल्लेखनीय है कि हर साल की तरह इस वर्ष भी ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने महाशिवरात्रि पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाने का फैसला किया था। शुक्रवार की सुबह उन्होंने मरकण्डेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर भोलेनाथ कि आशीर्वाद लिया। तदोपरांत अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार भगवान भोलेनाथ के भक्तों के साथ हजीरा चौराहे से पैदल चलकर किला गेट होते हुए कोटेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। इस दौरान ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लबरेज नज़र आए और वे भोलेनाथ के भजनों की धुनों पर अपने पैरों को थिरकने से नहीं रोक पाए। इसके बाद ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कोटेश्वर महादेव मंदिर में एक सामान्य श्रद्धालु की भांति पांच घण्टे श्रद्धालुओं की लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार किया और बारी आने पर महादेव के दर्शन कर ग्वालियर शहर की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

जन कल्याण समिति ने किया प्रसाद वितरण–महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर कोटेश्वर महादेव मंदिर परिसर में स्टाल लगाकर जनकल्याण समिति के सदस्यों ने प्रसादी वितरण किया। इस अवसर पर ग्वालियर-15 विधानसभा क्षेत्र के सभी चार भाजपा मंडल पदाधिकारियों ने भी प्रसादी वितरण में जनकल्याण समिति के सदस्यों का सहयोग किया।

लावारिस खड़ी कार में मिला लाखों का माल, पुलिस रह गई हैरान

ग्वालियर में एक लावारिश हालत में खड़ी कार में से पुलिस ने लाखों रुपए का अवैध मादक पदार्थ जब्त किया है। अवैध मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त को लेकर कार्रवाई में जुटी पुलिस को सूचना मिली थी कि लावारिस हालत में खड़ी कार में मादक पदार्थ रखा हुआ है। इस आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार की तलाशी ली तो उसमें से करीब 9 लाख रुपए का अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा जब्त किया गया है।

लावारिस कार में मिला 9 लाख का डोडा चूरा–ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के ट्रांसपोर्ट नगर के नया दाल बाजार के पास एक लावारिस हालत में महिन्द्रा जायलो कार ख?ी हुई है। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा की लावारिस हालत में खड़ी कार की पीछे की सीट पर काले रंग के प्लास्टिक के कुछ कट्टे रखे हुए हैं। जब पुलिस ने कार में रखे कट्टे खोलकर देखे तो उनमें डोडा चूरा भरा हुआ था। जिसकी कीमत करीब 9 लाख रुपए आंकी गई है।

कार मालिक के खिलाफ मामला दर्ज–लावारिस कार से 4 कट्टों में करीब 71 किलो अवैध डोडा चूरा पुलिस ने जब्त किया है जिसकी कीमत करीब 9 लाख रूपए आंकी जा रही है। पुलिस ने कार मालिक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है। जिस कार से डोडा चूरा जब्त हुआ है उसका नंबर छ्रु 3ष्ट्र‹स् 3405 है। कार मालिक कौन है फिलहाल इसका पता नहीं चल पाया है।

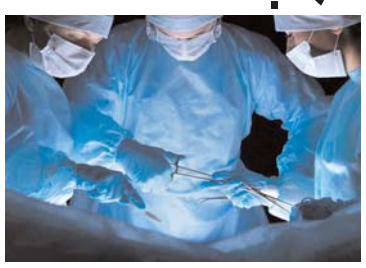

आयुर्वेद कॉलेज में उधार की बॉडी लेकर चिकित्सा की पड़ाई कर रहे छात्र- छात्राएं

ग्वालियर . शहर में मेडिकल और आयुर्वेद के दो सरकारी कॉलेज हैं, लेकिन मेडिकल की पड़ाई के लिए होने वाले देहदान में आयुर्वेद महाविद्यालय सबसे पीछे है। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में 20 वर्ष में अब तक केवल एक ही देहदान हुआ है। इसके विपरीत 24 साल पहले शुरू हुए जीआरएमसी में 37 लोग अब तक देहदान कर चुके हैं। आयुर्वेद महाविद्यालय में देहदान नहीं होने से यहां के बैचलर्स और मास्टर डिग्री कर रहे छात्र-छात्राओं को जीआरएमसी से बॉडी लेकर पड़ाई करनी पड़ रही है। मेडिकल कॉलेज साल में एक दो बॉडी का कोई अंग आयुर्वेद महाविद्यालय को दे देता है, जिससे वहां के छात्र- छात्राएं प्रैक्टिकल कर पाते हैं। आयुर्वेद महाविद्यालय को एक बॉडी 23 जून 2023 को उज्जैन से प्राप्त हुई है।

आयुर्वेद महाविद्यालय ने भी नहीं फैलाई जागरूकता–शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय में 1956 से एनाटॉमी विभाग चल रहा है, लेकिन कोई विशेष जागरूकता नहीं होने से लोग यहां पर अभी तक नहीं आए हैं। अधिकांश लोग देहदान की जरूरत केवल एलोपैथी पड़ाई में ही मानते हैं। यही कारण है कि आयुर्वेद महाविद्यालय को अब तक कम बॉडी प्राप्त हुई हैं।

एनाटोमी की पूरी पढ़ाई बॉडी पर

जीआरएमसी और आयुर्वेद महाविद्यालय में प्रथम वर्ष में छात्र-छात्राओं को मानव शरीर की पूरी एनाटोमी यानी शरीर रचना पड़नी पड़ती है। छात्र-छात्राएं बॉडी पर चीर फाड़ के जरिए ही शरीर की रचना समझ पाते हैं। आयुर्वेद होम्योपैथी, यूनानी और प्राकृतिक योगा के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राएं भी शरीर रचना पड़ते हैं। उन्हें भी बॉडी की जरूरत पड़ती है, लेकिन बॉडी नहीं होने से वे जैसे-तैसे काम चलाते हैं।

एक साल में कितनी बॉडी की जरूरत–जीआरएमसी में दो सौ छात्रों पर एक साल में 20 बॉडी की आवश्यकता पड़ती है। वहीं यहां पर 4- 5 बॉडी ही मिल पा रही हैं। आयुर्वेदिक महाविद्यालय में 75 छात्रों को एक भी बॉडी नहीं मिल रही है, जबकि यहां पर हर साल 7- 8 बॉडी मिलना चाहिए।आयुर्वेदिक महाविद्यालय में लगातार बॉडी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। अभी छात्र- छात्राएं प्रैक्टिकल के लिए मेडिकल कॉलेज के भरोसे हैं। लोगों को जागरूक होकर बॉडी के लिए आगे आना चाहिए।

मोहन सरकार के अनोखे मंत्री, कई कि.मी लंबी लाइन में लगकर किए शिव दर्शन, जमकर लगाए जयकारे

मोहन सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का फिर दिखा अनोखा अंदाज। महाशिवरात्रि पर कई कि.मी लंबी लाइन में लगकर उन्होंने भगवान शिव के दर्शन किए।महाशिवरात्रि के अवसर पर शुक्रवार को देशभर के शिवालयों में भक्तों का तांता लगा हुआ। आमजन के साथ साथ मध्य प्रदेश के नेता भी भगवान भोलेनाथ की आराधना में जुटे हुए हैं। इसी बीच शिव भक्ती में लीन मध्य प्रदेश की मोहन सरकार में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की कुछ तस्वीरें इस समय सोशल मीडिया पर वायर हो रही हैं। अपने गृह नगर ग्वालियर में वो आमजन के साथ शिव भक्ति में लीन नजर आए। भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने आए मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर कई किलोमीटर लंबी लाइन में भक्तों के बीच लगे नजर आए। यहां घंटों लाइन में लगे रहने के दौरान वो सीताराम जपते भी नजर आए। इसके बाद उन्होंने भगवान मार्कण्डेश्वर और कोटेश्वर के दर्शन किए।घंटों लाइन में लगकर एक आम इंसान की तरह दर्शन करने के बाद ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ये मेरे लिए बड़ा सौभाग्य है कि मुझे आज इस तरह भगवान शिव के दर्शन करने का मौका मिला। उनकी भक्ति में आज हजीरा से किला गेट और घास मंडी से कोटेश्वर मंदिर तक पदयात्रा निकाली गई। भगवान ने ही उनका नाम लेने की शक्ति दी है। उसके लिए प्रणाम करता हूं। तोमर के अनुसार उन्होंने अपने शहर के साथ साथ प्रदेश और देश की प्रगति के लिए भदवान शिव से प्रार्थना की है।आगे उन्होंने ये भी कहा कि आज महाशिवरात्रि के साथ देशभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी मनाया जा रहा है। इस मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को बड़ी राहत दी है। उन्होंने घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में 100 रुपए की कमी की है। इस राहत को लेकर ऊर्जा मंत्री तोमर का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं का सम्मान संसद से लेकर निचले पायदान तक बढ़ा है। आज उन महिलाओं की आंखों में धुंए के कारण आंसू कम आएं, इसलिए गैस सस्ती की गई है।

महाकौशल एक्सप्रेस के एसी कोच में चोरी, एसपी की पत्नी का पर्स उड़ा ले गए चोर

आप ट्रेन में सफर करते हैं तो सावधान हो जाइए। क्योंकि आपके लिए यह खबर जरूरी हो सकती है। एमपी के एक पुलिस अधिकारी की पत्नी के साथ कुछ ऐसा हुआ जिससे पुलिस की चारों तरफ किरकिरी मची हुई है। दरअसल, एसपी की पत्नी ट्रेन में सफर कर रही थी।इसी दौरान उनका पर्स चोरों ने गायब कर दिया।इसके बाद जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई गई है।एसपी राजेश चंदेल की पत्नी रेनू सिंह 7 मार्च को महाकौशल ट्रेन में जबलपुर से ग्वालियर जा रही थी। उनकी सीट फर्स्ट एसी कोच की बर्थ नंबर 22 में थी। इसी दौरान चोरों ने पर्स सहित पानी की बोतल और अन्य जरूरी सामान गायब कर दिया। ग्वालियर स्टेशन पहुंचने के बाद रेणु सिंह ने जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई है।जीआरपी ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।मामला दर्ज होने के बाद ग्वालियर जीआरपी और जबलपुर जीआरपी चोरों की तलाश में जुट गई है। सुरक्षा पर सवाल भी उठ रहे हैं कि रेलवे के सबसे वीआईपी कोच में सफर करने वालों का सामान कैसे चोरी हो रहा है।

6 करोड़ के घोटाले के आरोपी को अभी रहना होगा जेल में, क्योंकि कोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

हाईकोर्ट की एकल पीठ से पीएचई घोटाले के आरोप में जेल में बंद सेवा निवृत्त कार्यपालन यंत्री आरएन करैया को राहत नहीं मिल सकी। कोर्ट ने यह कहते करैया की जमानत याचिका खारिज कर दी कि आरोपी का घोटाले से सीधा संबंध है। ऐसी स्थिति में जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता है। करैया को अभी जेल में ही रहना होगा।पीएचई में 16 करोड़ 42 लाख रुपए के घोटाले का खुलासा हुआ था। यह घोटाला 80 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इस पूरे घोटाले में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका सामने आई। 6 नवंबर 2017 से 2

अगस्त 2018 के बीच करैया ग्वालियर में पदस्थ रहे। इनके कार्यकाल में 6 करोड़ का संदिग्ध लेनदेन हुआ। क्राइम ब्रांच ने 5 नवंबर 2023 को आरएन करैया को गिरफ्तार कर लिया। जनवरी 2024 में पहली जमानत याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। दूसरी बार करैया ने जमानत याचिका दायर की। उसकी ओर से तर्क दिया कि विभाग से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्होंने सह अभियुक्त हीरालाल को भुगतान के लिए अधिकृत किया था। इसके लिए हीरालाल जिम्मेदार था। पुलिस के पास ऐसा कोई सुबूत नहीं है, जिससे उसे दोषी ठहराया जा सके। अभियुक्त तकनीकी व्यक्ति हैं। एक निर्धारित चैनल से बिल गुजरने के बाद उनके पास आते थे। उनका पूरे मामले से लेनदेन नहीं है। जमानत पर रिहा किया जाए। कोर्ट की शर्तों का भी पालन किया जाएगा। पुलिस की ओर से जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि करैया विभाग प्रमुख थे। बिना विभाग प्रमुख के सह अभियुक्त खाते में बदलाव नहीं कर सकते हैं। मामले की जांच चल रही है। कुछ आरोपी फरार भी है। ऐसी स्थिति में जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी।

ठग महिलाएं... बुजुर्ग के गहने उतरवाए और ठगी का पता भी नहीं चला

ग्वालियर. बुजुर्ग और महिलाओं को स?क चलते ठगने वाली गैंग फिर शहर में लौट आई है। गुरुवार को तीन महिलाओं की गैंग मुरार मार्केट में खरीदारी करने आई 65 वर्षीय देवकी से गहने उतरवाकर चंपत हो गईं। ठग महिलाओं के जाने के काफी देर बाद देवकी को सुध आई कि उनके साथ घटना हो गई।पुलिस ने बताया देवकी निवासी मुरार गुरुवार को सदर बाजार में खरीदारी करने आई थीं। गिर्राज मंदिर के पास तीन अनजान महिलाओं ने उन्हें रोककर बोला कि उनकी साथी महिला के पास काफी पैसा है, उसे यहां कुछ लोगों से खतरा भी है। अपने गहने बेच दो तो उनकी महिला साथी उसके बदले महंगा दाम चुकाएगी। क्योंकि नोट की गड्डी के बजाए गहने छिपाना उसके लिए आसान होगा। तीनों ने उन पर ऐसा मौका हाथ से नहीं जाने देने का लालच दिया। उनके झांसे में आकर सरे बाजार देवकी ने मंगलसूत्र, टाप्स और अंगूठी उतारकर दे दिए।

सुध नहीं थी, जैसा बोला वैसा ही किया–देवकी ने पुलिस को बताया कि ठग महिलाओं ने सम्मोहित कर लिया था, इसलिए वह जैसा कहती गईं उन्होंने किया। यह आभास नहीं हुआ कि अपने गहने उतारकर अनजान महिलाओं को क्यों दे रही हैं। जब तीनों गहने लेकर चलीं गई तब काफी देर बाद उन्हें सुध आई।

बर्फीली हवा थमी पर फिर सक्रिय हो रहे दो पश्चिमी विक्षोभ मचाएंगे तांडव

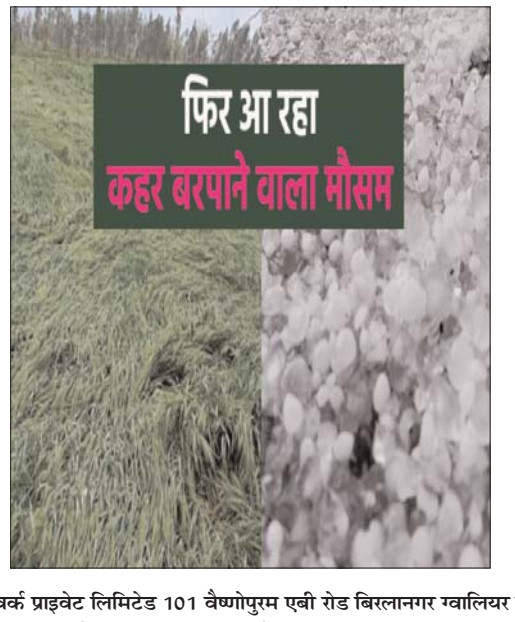

ग्वालियर में मौसम के मिजाज कुछ शांत से बने हैं। जम्मू कश्मीर से आ रही बर्फीली हवा थम गई। इसके थमने से दिन के तापमान में उछाल आ गया। पारा 1.8 डिग्री सेल्सियस च?ा जिसके कारण दिन में ठंडक कम हो गई। धूप की चुभन भी बढ़ी लेकिन गुरुवार को मिली ये राहत महज कुछ दिनों के लिए है। जल्द ही दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहे हैं जिससे मौसम का तांडव मचना तय सा है।मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। रात का तापमान एक से डेढ़ डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है।जम्मू कश्मीर में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इसके असर से उत्तरी हवा शांत हो गई है। पश्चिमी हवा चल रही है। हवा में नमी कम होने से

बादल भी नहीं छाए। इससे दिन में तेज धूप निकली। धूप की चुभन की वजह से गर्मी का अहसास भी रहा। दोपहर ढाई बजे तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियश रिकार्ड किया गया।मौसम में गर्माहट तो रही पर ओले–पानी नहीं गिरने से लोग कुछ राहत महसूस कर रहे हैं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम के पूर्वानुमान ने चिंता बढ़ा दी है।बर्फ गिरने का अनुमान है बल्कि बरसात की भी संभावना है। इतना ही नहीं, दो पश्चिमी विक्षोभ 10 मार्च और 12 मार्च को सक्रिय रहेंगे। ये सिस्टम विशेष तौर पर उत्तर पश्चिम एमपी को खासे प्रभावित कर सकते हैं।

एक समय पर दो मेमोरेंडम लिए, दस्तावेज साक्ष्य भी नहीं जुटाए, दीपक यादव सहित आठ आरोप दोषमुक्त

विशेष सत्र न्यायालय ने 2005 के प्री मेडिकल टेस्ट (पीएमटी) में फर्जीवाड़ा करने वाले डॉ दीपक यादव सहित 8 आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। सीबीआइ ने अतिरिक्त जांच में कोई ऐसा साक्ष्य नहीं जुटाया, जिससे आरोपियों को दोषी ठहराया जा सके। एक ही दिन एक समय में दो मेमोरेंडम (धारा 27 में पूछताछ) लिए। सीबीआइ अतिरिक्त जांच में साक्ष्य के रूप में दस्तावेज भी पेश नहीं कर पाई। इस कारण अभियोजन कहानी संदिग्ध हो गई। इसका फायदा आरोपियों को मिला। तीन परीक्षार्थी व 5 मिडिल मेन दोषमुक्त हुए हैं।दरअसल 2014 में व्यापमं कांड का खुलासा हुआ था। फर्जी तरीके से पीएमटी पास करने वालो डॉक्टरों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस ने डॉ दीपक यादव से पूछताछ की तो उसने बताया कि वर्ष 2005 में विशाल यादव, पंकज गुप्ता, ऋषभ प्रताप सिंह को फर्जी तरीके से पीएमटी पास कराई थी। इस खुलासे के बाद पुलिस ने विशाल यादव, पंकज गुप्ता, ऋषभ प्रताप सिंह, धमेन्द्र चंदेल, संतोष चौरसिया, सुरेंद्र वर्मा, सुशील कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जांच के बाद न्यायालय में चालान पेश कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मामला सीबीआइ को सुपुर्द कर दिया। सीबीआइ अतिरिक्त जांच में कुछ नया नहीं किया। न्यायालय में अतिरिक्त चालान पेश कर दिया। अधिवक्ता पियुष गुप्ता ने बचाव में तर्क दिया कि जिस मेमोरेंडम से केस शुरू हुआ, वही संदिग्ध है। एक दिन और एक ही समय कैसे मेमोरेंडम लिया जा सकता है। दस्तावेजी साक्ष्य नहीं है। कोर्ट ने बचाव साक्ष्यों को स्वीकार करते हुए आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया।पुलिस की जांच पर पूरी ट्रायल चाल दी, जिससे चलते सभी आरोपी दोषमुक्त हो गए।ऐसे हुआ केस संदिग्ध दीपक यादव को अपराध मांक 449 में गिरफ्तार किया गया था। इस केस की पूछताछ में दीपक यादव ने विशाल यादव, पंकज गुप्ता, ऋषभ प्रताप सिंह के प्रवेश का खुलासा किया।दीपक यादव को 19 जुलाई 2014 को गिरफ्तार किया गया था।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478